अखंड राष्ट्रवादी श्रमिक चित्रपट सेना
ए.एल.सी./ का.-17-11168
फिल्म कामगारों के हक के लिए लड़ने वाला सर्वोच्च संगठन
सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
7705858700

द रेड

स्टार न्यूज़

महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली में एक साथ प्रसारित...

आपका अधिकार खबरों के रूप में

RNI. NO. MAHHIN/2010/35947

P.RN.NO.:THW/156/2018-2020

HUMAN RIGHTS FOUNDATION
सत्यमेव जयते
मानव अधिकार से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान एवं सदस्यता ग्रहण करने के लिए संपर्क करें
मानवाधिकार फाउंडेशन
Mob.: 9987585870
Email: nhrf_india@yahoo.com

संपादक- विनोद कुमार सिंह | वर्ष- 15 | अंक- 33 | सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त | 10 जुलाई से 16 जुलाई 2024

₹ 2/-

दिल्ली से लेकर यूपी तक झमाझम बारिश बिहार में सुस्त पड़ा मानसून

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हो रही है और कहीं-कहीं अभी भी बारिश का इतंजार हो रहा है। दिल्ली में अभी भी लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास हो रहा है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद से लेकर गुरुग्राम तक बादल तो छाए रहते हैं, लेकिन बारिश नहीं हो रही। दिल्ली-एनसीआर में मौसम विभाग ने बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी यानी मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली-एनसीआर में आज बादल छाए रहेंगे और बारिश हो सकती है। दिल्ली में अगले तीन दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान है। दिल्ली-एनसीआर के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश होने की वजह से गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं यूपी-बिहार में भी मानसून की बारिश होगी। पश्चिम बंगाल और झारखंड में भी आज बारिश की संभावना है। इधर मायानगरी मुंबई में बारिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। दो दिन से मुंबई में लगातार बारिश हो रही है। मुंबई में भारी बारिश ने पूरे शहर में हाहाकार मचा दिया है। सड़क, गलियां नदी और नालों में बदल चुके हैं। मुंबई में लगातार हो रही बारिश की वजह से उपनगरीय ट्रेन सेवाएं और हवाई यातायात बाधित हुआ है। यहां बारिश और जलजमाव से स्थिति यह हो गई है कि लोगों की जान बचाने के लिए एनडीआरएफ के साथ सेना तक उतर आई है। फिलहाल मुंबई में बारिश में किसी तरह की कोई कमी देखने को नहीं मिल नहीं रही है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। निचले इलाकों में उच्च क्षमता वाले पंप लगाने के बावजूद बारिश के बाद हुए जलभराव के कारण मध्य रेलवे की सेवाओं में काफी व्यवधान आया। इससे हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि लोकल ट्रेनें घंटों तक पटरियों पर रुकी रहीं।

युद्ध कोई समाधान नहीं!

मोदी और पुतिन की वार्ता से पहले भारत का रूस को संदेश

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन संघर्ष 2022 में शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली मॉस्को यात्रा है। इस दौरान वह राष्ट्रपति पुतिन से मिले और अनौपचारिक बैठक भी की। आज यानी मंगलवार को भारत और रूस के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। इससे पहले सूत्रों ने बताया कि भारत ने हमेशा क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता सहित संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करने का आह्वान किया है। सूत्रों के अनुसार भारतीय पक्ष रूसियों को यह बताएगा कि युद्ध के मैदान में कोई समाधान नहीं है और बातचीत और कूटनीति ही आगे का रास्ता है। ये टिप्पणियां अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर की सोमवार को की गई प्रतिक्रिया के बाद आई हैं। दरअसल उन्होंने कहा था कि अमेरिका भारत को रूस पर यह दबाव डालने के लिए प्रोत्साहित करेगा कि यूक्रेन संघर्ष का कोई भी समाधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप हो। मिलर ने कहा कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है जिसके साथ हम खुली और ईमानदार चर्चा करते हैं, जिसमें रूस के साथ उसके संबंधों के बारे में हमारी चिंताएं भी शामिल हैं। बता दें कि मिलर की यह टिप्पणी पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच सोमवार को नोवो-ओगारियोवो निवास पर हुई अनौपचारिक बैठक के बाद आई है। इस बैठक में दोनों देशों के बीच संबंधों के आगे विकास की संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की और मंगलवार को आगे की विस्तृत चर्चा होगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत का दृष्टिकोण है कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं खोजा जा सकता। स्वाभाविक रूप से संघर्ष के समाधान के लिए दोनों पक्षों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से आगे आना चाहिए। एक्स पर अपने पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि वह मंगलवार को होने वाली विस्तृत चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं, आज शाम नोवो-ओगारियोवो में मेरी मेजबानी करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन का आभार। कल की हमारी वार्ताओं की भी प्रतीक्षा कर रहा हूं, जो निश्चित रूप से भारत और रूस के बीच मैत्री के बंधन को और मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

तमिलनाडु सरकार ने नए क्रिमिनल लॉ में संशोधन के सुझाव देने के लिए किया समिति का गठन

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को तीन नए आपराधिक कानूनों में राज्य-विशिष्ट संशोधनों का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून एक समवर्ती सूची का विषय है जो राज्य विधायिका को संशोधन करने के लिए सक्षम बनाता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आपराधिक न्यायशास्त्र के आधुनिक सिद्धांतों के अनुरूप आपराधिक कानून बनाए जाने चाहिए। पूर्व गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा मैं 1 जुलाई 2024 को लागू होने वाले तीन आपराधिक कानूनों में राज्य संशोधन का सुझाव देने के लिए एक समिति नियुक्त करने के तमिलनाडु सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं। चिदंबरम ने कहा कि आपराधिक कानून संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और राज्य विधानमंडल इसमें संशोधन करने के लिए सक्षम है। उन्होंने कहा मैं न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री के. सत्यनारायणन की एक-व्यक्ति समिति के रूप में नियुक्ति का भी स्वागत करता हूं। मैं समिति से अनुरोध करता हूं कि वह न्यायाधीशों, वकीलों, पुलिस, विधि शिक्षकों, विद्वानों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित सभी हितधारकों के साथ परामर्श करे। नए आपराधिक कानूनों में तमिलनाडु-विशिष्ट संशोधनों को प्रभावी करने की दिशा में पहला कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित करने का आदेश दिया, जो तीनों कानूनों का अध्ययन करेगी और संशोधन करने के संबंध में राज्य सरकार को सिफारिशें करेगी। केंद्रीय कानूनों में राज्य के संशोधनों पर विचार-विमर्श के लिए यहां सचिवालय में एक उच्च स्तरीय परामर्श बैठक की अध्यक्षता करने के बाद स्टालिन ने अधिकारियों को मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम सत्यनारायणन के नेतृत्व में एक सदस्यीय समिति गठित करने का निर्देश दिया।

असम में बाढ़ से तबाही, काजीरंगा में 137 जंगली जानवरों की मौत!

नागांव। असम में बाढ़ से बुरा हाल है, राज्य में आई विनाशकारी बाढ़ से काजीरंगा नेशनल पार्क में छह गैंडों समेत 137 जंगली जानवरों की मौत हो गई है। बता दें कि, पार्क अधिकारी 99 जानवरों को बचाने में कामयाब रहे, जिनमें दो गैंडे के बछड़े और दो हाथी के बछड़े शामिल हैं। 104 हॉग डियर, 6 गैंडे और 2 सांभर की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई, जबकि 2 हॉग डियर की मौत किसी वाहन की चपेट में आने से हुई है। एक ओटर (पिल्ला) की अन्य कारणों से मौत हो गई।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की फील्ड निदेशक सोनाली घोष ने इसकी जानकारी दी है। सोनाली घोष ने इस घटना के बारे में आगे जानकारी देते हुए कहा, अब तक हमने दो गैंडे, दो हाथी, 84 हॉग डियर, 3 स्वैम्प डियर, 2 सांभर सहित 99 जानवरों को बचाया है। पार्क के 233 शिविरों में से 70 वन शिविर अभी भी पानी के अंदर हैं। असम में बाढ़ से दिन ब दिन हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि सोमवार को असम में बाढ़ से छह और लोगों की मौत हो गई, जिससे अब तक कुल मरने वालों की संख्या 72 हो गई है। राज्य में अभी भी 28 जिलों के 27.74 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। गोलपारा, नागांव, नलबाड़ी, कामरूप, मोरीगांव, डिब्रूगढ़, सोनितपुर, लखीमपुर, दक्षिण सालमारा, धुबरी, जोरहाट, चराइदेव, होजई, करीमगंज, शिवसागर, बोंगाईगांव, बारपेटा, धेमाजी, हैलाकांडी, गोलाघाट सहित असम के कई जिले ऐसे हैं जो बाढ़ से प्रभावित हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन, आपातकालीन सेवाओं, स्थानीय प्रशासन, भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों की बचाव टीमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बचाव कार्यों में लगी हुई हैं।

तमिलनाडु की आदिवासी लड़की ने NIT में एडमिशन लेकर रचा इतिहास

तिरुचिरापल्ली। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली जिले की 18 साल की एक आदिवासी लड़की ने NIT में एडमिशन लेकर गर्व का काम किया है। बता दें कि ये राज्य की पहली आदिवासी महिला हैं, जिन्होंने ऋक्ऊ में एडमिशन लिया है। लड़की का नाम एम रोहिणी है, रोहिणी ने जेईई मेन परीक्षा में 73.8% अंक हासिल किए हैं और उन्हें एनआईटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में सीट मिल गई है। रोहिणी ने पढ़ाई में मदद करने के लिए अपने शिक्षकों को भी धन्यवाद दिया है। उन्होंने ये भी बताया कि तमिलनाडु राज्य सरकार ने फीस भरने में उनकी मदद की थी और इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का धन्यवाद दिया।

रोहिणी ने एएनआई से बात करते हुए अपने बारे में और भी बहुत कुछ बताया है, उन्होंने कहा मैं एक आदिवासी समुदाय की छात्रा हूं जो एक आदिवासी सरकारी स्कूल में पढ़ती है। मैं JEE परीक्षा में शामिल हुई और 73.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। मैंने एनआईटी त्रिची में एक सीट हासिल की है और मैंने केमिकल इंजीनियरिंग का ऑप्शन चुना है। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने प्रधानाध्यापक और

अपने स्कूल के कर्मचारियों की वजह से अच्छा प्रदर्शन किया है। रोहिणी की सफलता खास और अलग क्योंकि वह वंचित परिस्थितियों से आती है। उसके माता-पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और उसका घर चिन्ना इलूपुर गांव में स्थित है। अपने रोजाना के संघर्ष के बारे में उन्होंने बात करते हुए कहा कि प्रवेश परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ उन्होंने दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम किया। रोहिणी ने आगे बताया, उनके माता-पिता भी दिहाड़ी मजदूर हैं, उन्होंने अच्छी पढ़ाई की इसलिए उन्हें NIT में सीट मिली।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुजरात, महाराष्ट्र में ईडी के छापे

नई दिल्ली। पपलाज फॉरेन ट्रेड एलएलपी से जुड़े 2,800 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गुजरात और महाराष्ट्र के चार शहरों में छापेमारी की है। ईडी की सूरत स्थित इकाई ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के प्रविधानों के तहत पपलाज फॉरेन ट्रेड एलएलपी, उसके साझेदारों सोमाभाई सुंदरभाई मीना और ओजसकुमार मोहनलाल नाइक तथा उनके सहयोगियों के परिसरों में सूरत, वडोदरा, मुंबई और पुणे में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने कहा कि तलाशी अभियान के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। ईडी ने इस सूचना के आधार पर जांच शुरू की कि पपलाज फॉरेन ट्रेड एलएलपी ने हीरे के आयात और निर्यात के सिलसिले में ज्यादा मूल्यांकन के कारण बड़े पैमाने पर धन बाहर भेजा है। जांच से पता चला कि पपलाज फॉरेन ट्रेड एलएलपी ने हीरे के आयात का ज्यादा मूल्यांकन किया था और जुलाई, 2023 और मार्च, 2024 के बीच 2,800 करोड़ रुपये की राशि बाहर भेजी है। ईडी की जांच में यह भी पता चला कि पपलाज फॉरेन ट्रेड एलएलपी ने सूरत, दिल्ली, मुंबई और पुणे स्थित संस्थाओं से 2,800 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की और इसे हांगकांग स्थित आठ संस्थाओं को भेज दिया।

दलितों के साथ हो रहा अत्याचार! केंद्रीय मंत्री ने DMK पर साधा निशाना?

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने तमिलनाडु में एक सम्मेलन के दौरान दलितों को लेकर बात की। उन्होंने कहा दलितों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अत्याचार हो रहे हैं और दावा किया कि DMK सरकार के तहत राज्य में राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। सम्मेलन में दुरईसामी समेत भाजपा तमिलनाडु इकाई के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। मुरुगन ने ये भी कहा कि पार्टी के राज्य उपाध्यक्ष वीपी दुरईसामी के नेतृत्व में तमिलनाडु भाजपा इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल बाद में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संपर्क करेगा और उनसे मामले में उचित कार्रवाई करने का आग्रह करेगा। मुरुगन ने कहा मई 2021 में डीएमके के सत्ता में आने के बाद तमिलनाडु में दलितों के खिलाफ अत्याचार में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एक सर्वे बता रहा है कि राज्य में हर साल दलितों के खिलाफ अत्याचार के 2,000 से ज्यादा मामले दर्ज होते हैं। उन्होंने 2022 के बाद से दलितों के खिलाफ कथित अत्याचार की घटनाओं और राज्य में भाजपा नेताओं के कुछ हमलों और हत्याओं का भी जिक्र किया और इसके लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को दोषी ठहराया। उन्होंने अपने संबोधन में एक दलित नेता और बसपा के प्रदेश

अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक शासन के तहत राज्य में राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष उरुगन ने द्रमुक की सहयोगी कांग्रेस पर भी निशाना साधा और हाल ही में हुई जहरीली शराब त्रासदी पर पार्टी की चुप्पी पर सवाल उठाया, जिसमें राज्य में कई लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कल्लाकुरिची में हुई उस घटना में लगभग 70 लोगों की मौत हो गई। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोग अनुसूचित जाति के थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी वहां नहीं गए।

सुप्रीम कोर्ट करेगी हाथरस मामले की सुनवाई!

नई दिल्ली। हाथरस भगदड़ मामले को लेकर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी जिसकी तारीख भी तय हो चुकी है। भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई की मांग की गई है। बता दें कि इस हादसे में 121 लोगों की मौत हुई थी। हाथरस भगदड़ मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने याचिका दाखिल की है। जनहित याचिका में भगदड़ की जांच के लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है। याचिका में घटना के जिम्मेदार लोगों और अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए भी कहा गया है। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता विशाल तिवारी ने तत्काल सुनवाई के लिए अपनी याचिका का उल्लेख किया है। हालांकि मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने इस मामले को लेकर सोमवार को ही याचिका को सूचीबद्ध करने का आदेश दे दिया था। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार को 2 जुलाई की घटना पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने और अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। पिछले मंगलवार को हाथरस में एक धार्मिक समागम में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। हाथरस जिले के फुलराई गांव में बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित सत्संग के लिए 2.5 लाख से अधिक श्रद्धालु एकत्र हुए थे, जिन्हें साकार विश्वहरि भोले बाबा के नाम से भी जाना जाता है।

मासिक धर्म अवकाश पर नीति बनाए केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य पक्षों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से संबंधित है और अदालतों के विचार करने के लिए नहीं है। इसके अलावा महिलाओं को ऐसी छुट्टी देने के संबंध में अदालत का निर्णय प्रतिकूल और हानिकारक साबित हो सकता है, क्योंकि नियोक्ता उन्हें काम पर रखने से परहेज कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा याचिकाकर्ता का कहना है कि मई 2023 में केंद्र को एक आवेदन सौंपा गया था। चूंकि मुद्दा सरकारी नीति के विविध उद्देश्यों को उठाता है, इसलिए इस अदालत के पास हमारे पिछले आदेश के संदर्भ में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है।

जवानों की शहादत का बदला लिया जाएगा!

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 8 जुलाई को हुए आतंकी हमले को लेकर अब सरकार की ओर से बड़ा बयान आया है। रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने मंगलवार को कहा कि पांच सैन्यकर्मियों की हत्या का बदला लिया जाएगा और भारत इसके पीछे की बुरी ताकतों को हरा देगा। हमले के बाद रक्षा सचिव ने एक कड़ा संदेश दिया और कहा मैं कठुआ के बदनोटा में हुए आतंकवादी हमले में पांच बहादुरों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। राष्ट्र के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा और उनके बलिदान का बदला लिया जाएगा। भारत इस हमले के पीछे की बुरी ताकतों को हराएगा। यह टिप्पणी रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में साझा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सैनिकों की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त किया। बता दें कि 8 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों के हमले में जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 5 जवान शहीद हो गए थे। वहीं 5 घायल जवानों को पठानकोट

मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर किया गया है। दरअसल, सभी जवान बदनोटा में पहाड़ी इलाके में पेट्रोलिंग के लिए निकले थे। एक तरफ खाई होने के कारण गाड़ी की स्पीड भी धीमी थी जिसका फायदा आतंकियों ने उठाया। पहाड़ी पर घात लगाए हुए आतंकियों ने ताबड़तोड़ सेनाओं पर हमला कर दिया। सेना ने भी काउंटर अटैक किया, लेकिन सभी आतंकी जंगल की ओर भाग निकले। हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया जा चुका है।

संपादकीय

पुलों का ढहना
भ्रष्टता का प्रमाण!

बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली हैं। जैसी खबरें हैं, अकेले बुधवार, यानी 3 जुलाई को ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में पांच पुल-पुलिया धराशायी हो गए। इनमें सिवान में छाड़ी नदी पर बने दो पुल शामिल हैं। इससे पहले दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान है। इस हादसे के कारण अनेक वाहन क्षतिग्रस्त हुए एवं एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हुए थे। सभी को इस बात की हैरानी हो रही है कि देश के सबसे प्रमुख हवाईअड्डे पर इस तरह का हादसा कैसे हो सकता है? मुंबई में भी घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। इन पुलों के गिरने एवं अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चाहे राजनीति की हो, सामाजिक हो, पारिवारिक हो, धार्मिक हो, औद्योगिक हो, शैक्षणिक हो, चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। पुल के गिरने से जितने पैसों की बर्बादी हुई, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? बिहार में पुल गिरने की ताजा घटनाएं कोई पहली नहीं है। इससे पहले पिछले साल भर में सात पुलों के ढह जाने की खबरें आईं थी। जाहिर है, इन पुलों के ढहने एवं गिरने से कई गांवों का आपस में सीधा संपर्क टूट गया है और मानसून के मौसम में उनकी परेशानियां बढ़ गई हैं। बरसात के मौसम में जर्जर ढांचों के गिरने की घटनाएं ज्यादा घटती हैं और इसीलिए सभी राज्यों में स्थानीय प्रशासन मानसून आने से पहले ही उनकी पहचान कर उनका इस्तेमाल प्रतिबंधित कर देता है। मगर पुल कोई रिहाइशी इमारत नहीं, जिसमें चंद परिवार या कुछ लोग रहते हों, और जिसे एहतियातन खाली करा लिया जाए। ये पुल ग्रामीण लोगों के जीवन की अनिवार्यता एवं जीवनरेखाएं हैं। उच्च तकनीक और प्रौद्योगिकी के मौजूदा समय में उच्च लागत के बावजूद छोटी नदियों और नहरों पर बनने वाले पुल भी यदि चंद वर्षों में या बनते ही धराशायी हो जाएं, तो इसको कुदरती कहर का नतीजा नहीं, आपराधिक मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं सरकारी धन का दुरुपयोग ही मानना चाहिए। बिहार में सिवान की जिस नदी पर दो पुलों के ढहने की घटना घटी है, वह मृत हो चुकी थी और उसे जल-जीवन हरियाली अभियान के तहत पुनर्जीवित किया गया था। निस्संदेह, इसके लिए राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन सराहना के पात्र हैं। आखिर इस नदी के जिंदा होने से हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई को बल मिला है। मगर क्या उसी तंत्र को यह भी नहीं सुनिश्चित करना चाहिए था कि जो पुल जर्जर अवस्था में हैं, उनका विकल्प भी साथ-साथ तैयार किया जाए? इस तरह बार-बार पुलों का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में तीव्रता से व्याप्त है, अनेक हादसों एवं जानमाल की हानि के बावजूद भ्रष्ट हो चुकी मोटी चमड़ी पर कोई असर नहीं होता।

सत्संग हादसे से उपजते सवालों के जवाब कौन देगा?

पहला सवाल यही है कि हाथरस में जिस सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मची, जिसके बाद लोग हताहत हुए, उस बाबा का पता घटना के तत्काल बाद क्यों नहीं चला?
जिस तरीके से एफआईआर में आरोपी बाबा का नाम नहीं डाला गया...

भीड़ प्रबंधन में विफल सेवादारों और उनको बैक सपोर्ट दे रहे प्रशासनिक हुक्मरानों की नादानी या लापरवाही या फिर दोनों से एक और जघन्य हादसा हो गया, जिसने 121 लोगों की इहलीला समाप्त कर डाली। वहीं, इस घटना में अन्य 38 लोग घायल भी हुए हैं। इस मामले की गम्भीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि मृतकों में उत्तरप्रदेश के 18 जिलों सहित हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश के भी कई लोग शामिल हैं। इस घटना से सिविल और पुलिस प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि उनकी लापरवाही से एक बार फिर राजनीतिक नेतृत्व लांक्षित हुआ है। पहला सवाल यही है कि हाथरस में जिस सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में यह भगदड़ मची, जिसके बाद लोग हताहत हुए, उस बाबा का अब तक पता घटना के तत्काल बाद क्यों नहीं चला? जिस तरीके से एफआईआर में आरोपी बाबा का नाम नहीं डाला गया, वह भी चिंता की बात है। आखिर क्या हुआ, उसको धरती खा गई या पाताल निगल गया, पुलिस प्रशासन को यह बताना होगा, या फिर उसे ढूंढकर कानून के कठघरे में लाना होगा, ताकि समुचित सजा मुकर्रर करवाई जा सके। दूसरा सवाल यह है कि उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव रतीभानपुर में आयोजित भोले बाबा के सत्संग में अचानक भगदड़ मच गई, लेकिन उससे पहले भीड़ नियंत्रण यानी क्राउड मैनेजमेंट के बारे में सोचा तक नहीं गया। यह उस कथित बाबा और उनके सेवादारों की तो लापरवाही है ही, लेकिन स्थानीय अनुमण्डल और जिला प्रशासन भी इस हादसे के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। क्योंकि किसी भी कार्यक्रम के आयोजन के लिए पूर्व प्रशासनिक स्वीकृति की आवश्यकता इसलिए पड़ती है ताकि समय रहते ही क्षेत्र विशेष में नागरिक सुविधाओं की आपूर्ति की जा सके, सुरक्षा के समुचित उपाय किये जा सके या फिर कोई आकस्मिक दुर्घटना होने पर लोगों को हताहत होने से बचाया जा सके।

तीसरा सवाल यह है कि इतनी बड़ी जुटान के बाद भी प्रशासन हाथ पर हाथ धरकर क्यों बैठा रहा? आखिर उसने एम्बुलेंस, अग्निशमन दस्ता, चिकित्सा सुविधाएं, आवागमन व्यवस्था, पेयजल, चलंत शौचालय आदि के लिए न तो कोई पूर्व उपाय किये और न ही तात्कालिक प्रबंध! क्योंकि यदि ऐसा किया गया होता तो इतनी बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं होते। वहीं, हादसे के बाद भी जो प्रशासनिक संवेदनशून्यता और व्यवस्थागत लाचारी/लापरवाही सामने आई, उसने भी अब तक हुए जनस्वास्थ्यगत विकास के तमाम दावों की कलई खोल दिए। चतुर्थ सवाल यह है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है? अनुमण्डल प्रशासन, जिला प्रशासन, राज्य प्रशासन या फिर केंद्र की बैशाखी वाली गठबंधन सरकार? या फिर वह निजीकरण, जो सरकारी संस्थाओं को दीमक की तरह चाट चुका है अपने निजी लाभ के लिए! और इसकी हकीकत तब सामने आती है जब कोई बड़ी घटना-दुर्घटना या हादसे हो जाते हैं।

पांचवां सवाल यह है कि इस हादसे के मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जो दलित और ओबीसी वर्ग के हैं। बावजूद इसके, इतनी बड़ी लापरवाही के बाद भी मृतकों के लिए जो महज 2-2 लाख रुपये के मुआवजे घोषित किये गए हैं, वो ये जाहिर करते हैं कि हमारे देश-प्रदेश में गरीब लोगों के जान की कोई कीमत नहीं है। जबकि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, जो प्रशासनिक विफलता का जीता-जागता उदाहरण है। इसलिए मुआवजे की राशि भी बढ़ाकर कम से कम 10-10 लाख रुपये किये जाने चाहिए। यही विपक्षी दलों की मांग भी है। छठा सवाल यह है कि सरकारी व्यवस्था आखिर कब सुधरेगी? क्योंकि राहत विभाग की ओर से दी गई सूची के अनुसार, इस हादसे में अब तक 121 लोगों की मौत हो चुकी है और 28 लोग घायल हैं। सभी घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। लेकिन सरकारी अस्पतालों की कुव्यवस्था किसी से छिपी हुई नहीं है, जहां बेड पर सफेद चादर और फल की टोकरी मुख्यमंत्री के आगमन के समय ही नजर आती है, अन्यथा नहीं। सातवां सवाल यह है कि पूर्व की घटनाओं की तरह इस हादसे की भी लीपापोती तो नहीं की जाएगी। क्योंकि इस घटना के मृतकों में सबसे ज्यादा लगभग 112 महिलाएं शामिल हैं। कहीं आधी आबादी के खिलाफ यह कोई साजिश तो नहीं है। चूंकि हाथरस भगदड़ स्थल की जांच फोरेंसिक टीम ने की है। इसलिए इसे भी स्पष्ट करना होगा।लोगों को उम्मीद है कि सरकार और प्रशासन इस घटना पर लीपापोती से बाज आएगा और मृतकों के परिजनों को न्याय उपलब्ध करवाएगा। अन्यथा विपक्ष ने भी दो टूक कह दिया है कि यदि पीड़ितों को न्याय नहीं मिला वो चरणबद्ध आंदोलन करेंगे और दोषियों को सजा दिलाएंगे। क्योंकि इस घटना ने सभी बड़े नेताओं और अधिकारियों को एक बार फिर से विचलित कर दिया है। आठवां सवाल यह है कि क्या यह घटना भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित सत्संग के दौरान उनकी चरण धुली लेने के क्रम में घटित हुई है, जैसी की चर्चा भी है। इसलिए फोरेंसिक टीम को अपने डॉग स्क्वॉड के साथ इस नजरिए से भी जांच करनी चाहिए। नवम सवाल यह है कि जब पुलिस प्रशासन ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105, 110, 126(2), 223 और 238 के तहत मुख्य सेवादार कहे जाने वाले वेद प्रकाश मधुकर और इस धार्मिक कार्यक्रम के अन्य आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पतंजलि ने 14 उत्पादों की बिक्री रोकी!

नई दिल्ली। पतंजलि ने 14 उत्पादों की बिक्री रोक दी है। यह जानकारी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को दी। कंपनी ने बताया कि उन 14 उत्पादों की बिक्री रोक दी है, जिनका विनिर्माण लाइसेंस उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने अप्रैल में निलंबित कर दिया था। सर्वोच्च अदालत भारतीय चिकित्सा संघ की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि उसने 5,606 फ्रेंचाइजी स्टोर्स को भी इन उत्पादों को वापस लेने का निर्देश जारी किया है। इन सबके अलावा मीडिया प्लेटफॉर्मों से इन 14 उत्पादों से जुड़े सभी विज्ञापन वापस लेने का निर्देश दिया है। पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को दो सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसमें कंपनी को यह बताना होगा कि क्या विज्ञापनों को हटाने के लिए सोशल मीडिया मध्यस्थों से किया गया अनुरोध स्वीकार कर लिया गया है और क्या इन 14 उत्पादों के सभी विज्ञापनों को हटा लिया गया है। इससे पहले उत्तराखंड राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड और दिव्य फार्मेसी के 14 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की साजिश

अमरनाथ, जम्मू कश्मीर में अमरनाथ यात्रियों पर बड़े हमले की लगातार साजिश चल रही है. ऐसी ही एक साजिश सुरक्षाबलों ने आज विफल कर दी, जब जम्मू से श्रीनगर को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे के पास IED विस्फोटक बरामद हुआ. जम्मू में नगरोटा के पास नेशनल हाइवे पर IED मिलने से हड़कंप मच गया. जैसे ही इसकी सूचना मिली, सुरक्षाबल अलर्ट हो गए और फिर इसे निष्क्रिय कर दिया गया. इसके साथ ही अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा पहले से ज्यादा बढ़ा दी गई है. सूत्रों के मुताबिक नगरोटा में नेशनल हाईवे 44 के पास जिस जगह आईईडी बरामद हुआ, वह एक सेल्फी पॉइंट है. उस जगह पर अमरनाथ यात्रियों समेत कश्मीर घूमने वाले तमाम पर्यटक रुककर अपने फोटो खिंचवाते हैं. ऐसे में वहां पर आईईडी छिपाकर आतंकियों ने बड़ी संख्या में लोगों को हताहत करने की साजिश रची थी, जिसे सुरक्षाबलों ने विफल कर दिया है. बता दें कि कश्मीर में आतंकियों पर प्रभावी अंकुश लगने के बाद अब उन्होंने अपना बेस जम्मू शिफ्ट कर लिया है, जो एक पहाड़ी इलाका है. जम्मू के जिलों में घने जंगल और ऊंची पहाड़ियां हैं, जहां आतंकियों को छिपने में मदद मिलती है. इसके साथ ही इन पहाड़ियों में आतंकियों के कई मददगार भी हैं, जो स्लीपर सेल की तरह आम नागरिक के रूप में रहते हैं.

बिल्डरों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर सुनवाई की। तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने कहा कि पूरे देश में बिल्डर खरीदारों को धोखा दे रही हैं। यही वजह है कि अब पूरे देश में बिल्डर-खरीदार समझौते में एकरूपता लाने की जरूरत है। मामले की अगली सुनवाई 19 जुलाई को होगी। अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने एक समान बिल्डर-खरीदार समझौते को बनाने के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि खरीदारों को पूरे भारत में बिल्डर धोखा दे रहे हैं। इसलिए अब समझौते में एकरूपता लाने की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि हमें एमिकस रिपोर्ट देखनी होगी। इसके अलावा CREDAI की आपत्तियों को भी देखेंगे। इसे सभी राज्यों को लागू करने की जरूरत है।

3 दिन में 7 जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर, जम्मू डिवीजन के कठुआ जिले में सेना के पैट्रोल वाहन पर हमला हुआ. सोमवार के आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हुए हैं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों की शहादत पर शोक जताया. उन्होंने कहा कि काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन चल रहे हैं. जम्मू-कश्मीर में तीन दिनों में आतंकवादी हमलों में मारे गए सुरक्षा कर्मियों की संख्या सात हो गई. आतंकवादियों ने पिछले एक महीने के भीतर सातवीं बार जम्मू को निशाना बनाया है. कठुआ के जिस इलाके में सोमवार को हमला हुआ, वह 90 के दशक में आतंकियों का गढ़ था. हालांकि पिछले दो दशक में यहां आतंकी वारदातें लगभग थम गई थीं. फिर अचानक ऐसा क्या हुआ जो आतंकवादी फिर से जम्मू को टारगेट कर रहे हैं? कठुआ में ताजा आतंकी हमला किसने किया: रिपोर्ट्स के मुताबिक हमला सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे लोहाई मल्हार में बदनोटा के पास मचेड़ी-किंडली-मल्हार रोड पर हुआ. यह जगह कठुआ जिला मुख्यालय से करीब 120 किलोमीटर और जम्मू शहर से 230 किलोमीटर दूर है. रूटीन गश्त पर निकले सेना के वाहन को निशाना बनाया गया. आतंकियों ने ग्रेनेड्स और गोलियों की बौछार कर दी. हमले के बाद आतंकी पास के जंगलों में फरार हो गए. उनकी तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है. इस हमले में कुल पांच जवान शहीद हुए जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर भी शामिल है. इस हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद के ऑफ-शूट आतंकी संगठन कश्मीर टाइगर्स ने ली है. आतंकियों द्वारा हमले में अमेरिकी असॉल्ट राइफल M4 का इस्तेमाल करने का दावा किया गया है. सूत्रों के मुताबिक इस हमले को पाकिस्तानी आतंकियों ने अंजाम दिया है. ये उन्हीं 7 आतंकियों का ग्रुप बताया जा रहा है जिनमें से तीन को डोडा जिले के गंदोह इलाके में सुरक्षा बलों द्वारा ढेर कर दिया गया था. कश्मीर में पिछले कुछ महीनों के भीतर 21 कश्मीरी आतंकियों की रहस्यमय ढंग से हत्या हुई है. इनमें रिटायर्ड पाकिस्तानी सेना ब्रिगेडियर और प्रमुख आईएसआई कार्यकर्ता आमिर हमजा की हत्या भी शामिल है.

कोहली के पब पर दर्ज हुई एफआईआर!

बेंगलुरु। कर्नाटक की बेंगलुरु पुलिस ने रविवार देर रात पब खोले जाने पर कार्रवाई की। शहर के कई पबों के प्रबंधन पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज किया। इनमें से एक पब क्रिकेटर विराट कोहली के स्वामित्व वाली भी है, जिसका नाम वन8 कम्यून पब है। पुलिस ने जानकारी दी कि 6 जुलाई की रात को पब कथित तौर पर 1:20 बजे तक खुला था, जो कि नियमों के खिलाफ है। क्यूबन पार्क पुलिस स्टेशन ने वन 8 कम्यून पब के खिलाफ औपचारिक रूप से एफआईआर दर्ज की है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रात्रि गश्त पर तैनात सब-इंस्पेक्टर को सूचना मिली कि वन8 कम्यून पब देर रात चल रहा है। जब सब-इंस्पेक्टर रात 1:20 बजे पब में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पब में ग्राहक मौजूद हैं। इसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। सूत्रों ने बताया कि तीन अन्य पबों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। विराट कोहली के स्वामित्व वाली वन8 कम्यून पब दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता जैसे अन्य शहरों में भी हैं। बेंगलुरु में पिछले साल इस क्लब को खोला गया था। कस्तूरबा रोड पर रत्नम कॉम्प्लेक्स की छठी मंजिल पर मौजूद है, जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के नजदीक है।

अदालत आरोपी से गूगल मैप लोकेशन बताने को नहीं कह सकती - कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गूगल लोकेशन शेयरिंग मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए दिल्ली हाईकोर्ट की लगाई जमानत की शर्त को खारिज कर दिया। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि अदालतें आरोपियों के लोकेशन को ट्रैक करने के लिए उनके गूगल मैप लोकेशन को साझा करने को नहीं कह सकती हैं। साथ ही कहा कि जमानत के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं हो सकती जो पुलिस को आपराधिक मामले में आरोपियों के निजी जीवन में झांकने की अनुमति देती हो। जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुयन की पीठ ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई जमानत की शर्त को खारिज कर दिया। इसके तहत एक नाइजीरियाई नागरिक फ्रैंक विटस को ड्रग्स मामले में जांच अधिकारी के साथ अपने मोबाइल डिवाइस में गूगल मैप्स पिन साझा करना अनिवार्य था। जस्टिस ओक ने फैसला में कहा कि जमानत की कोई शर्त जमानत के मूल उद्देश्य को ही खत्म नहीं कर सकती। गूगल पिन जमानत की शर्त नहीं हो सकती। जमानत की ऐसी कोई शर्त नहीं हो सकती, जिससे पुलिस लगातार आरोपी की हरकतों पर नजर रख सके। पुलिस को जमानत पर आरोपी की निजी जिंदगी में झांकने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने नाइजीरियाई नागरिक फ्रैंक विटस की याचिका पर फैसला सुनाया, जिसने ड्रग्स मामले में जमानत की शर्त को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम के तहत एक मामले में आरोपी नाइजीरियाई नागरिक को जमानत दी गई थी।

द रेड स्टार न्यूज को
अनुभवी संवाददाता एवं
विज्ञापन प्रतिनिधि
की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
9820361619
vinod143singh@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि द रेड स्टार न्यूज के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति अगर किसी भी तरह का व्यवहार करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपक कर लें.
9820361619/ 9987585870

मालिक, मुद्रक व प्रकाशक : विनोद कुमार सिंह द्वारा एस. आर. प्रिंटिंग प्रेस, वैशाली नगर, दहिसर पूर्व, मुंबई 68 से मुद्रित किया तथा 09 विभाकों बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,मालाड (पश्चिम), मुंबई 400 064 से प्रकाशित.

• संपादक- विनोद कुमार सिंह • प्रबंध संपादक : मोती रहमान शेख • सहायक संपादक : सुरेश पांढरे

+91-22 28881212 मो. 9987585870
Email-editor@theredstarnews.com, info@theredstarnews.com
RNI No.: MAHHIN/2010/35947
सभी विवादों के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र मुंबई होगा.
पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.

ठाणे कार्यालय :
D-405, ओमसाईं इंक्लेव, को.हॉ.सो. पूनम सागर, मीरा रोड (पूर्व), ठाणे.
संपर्क- 9987585870/9820361619
vinod143singh@gmail.com

कार ने दो पुलिसवालों को मारी टक्कर

मुंबई, महाराष्ट्र के पुणे में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने कथित तौर पर अपनी कार से दो पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। दोनों पुलिसकर्मी गश्त कर रहे थे। इनमें से एक की मौत हो चुकी है। वहीं दूसरा घायल है। पुलिस ने 24 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन पहले यानी शनिवार को पुणे के विश्रामबाग इलाके में शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने पेट्रोल छिड़क कर दो महिला पुलिसकर्मियों को आग लगाने की कोशिश की थी। इस मामले में पुलिस ने केस दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी की पहचान संजय फकीरा साल्वे के तौर पर हुई थी। बता दें कि इससे पहले पुणे में ही एक किशोर ने लग्जरी कार से दो लोगों को टक्कर मार दी थी। हादसे में दोनों की जान चली गई थी। यह मामला पूरे देश में छाया रहा है। हिट एंड रन मामलों पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हर एक जान अनमोल है। पुलिस को इन मामलों से गंभीरता से निपटने और न्याय सुनिश्चित करने को कहा है। सीएम ने कहा कि हिंट एंड रन से जुड़े आरोपियों के लिए सख्त कानून लागू कर रहे हैं। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। बता दें कि मुंबई के वर्ली इलाके में रविवार को बीएमडब्ल्यू कार से शिवसेना शिंदे गुट के एक नेता के बेटे ने बाइक सवार पति-पत्नी को टक्कर मार दी थी। दर्दनाक हादसे में महिला की जान चली गई थी।

अज्ञात वाहन के टकराने से 23 साल के शख्स की मौत?

मुंबई, महाराष्ट्र से पिछले कुछ दिनों से लगातार हिट एंड रन के मामले सामने आ रहे हैं। अब एक अन्य मामले में नागपुर शहर में एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 23 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। गिट्टीखदान पुलिस थाना प्रभारी ने इस घटना को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना रविवार रात करीब 11.20 बजे काटोल रोड बाईपास पर हुई। बताया जा रहा है, दुर्घटनास्थल के पास कोई सीसीटीवी मौजूद नहीं था। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के मूल निवासी राहुल खैरवार के रूप में की गई है। अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच की जा रही है। ये पहली बार नहीं है कि महाराष्ट्र में ऐसी घटना हुई है, इससे पहले 25 फरवरी को एक महिला ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी मर्सिडीज कार लापरवाही से चलाई और यह राम झूला पुल पर स्कूटर पर जा रहे दो लोगों से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों सवारों की मौत हो गई। महिला ने दुर्घटना के चार महीने से अधिक समय बाद 1 जुलाई को पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 2 जुलाई को यहां की एक अदालत ने मामले में उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए उन्हें रिहा करने का आदेश दे दिया था।

4 साल की बेटी को दी दर्दनाक सजा

मुंबई, महाराष्ट्र के पालघर जिले में पति-पत्नी के झगड़े के कारण एक बच्चे की मौत हो गई। 23 साल की एक आदिवासी महिला ने अपने पति से झगड़े के बाद कथित तौर पर अपनी 4 साल की बेटी की हत्या कर दी और फिर खुद आत्महत्या कर ली। ये घटना दहानू इलाके के सिसने गांव की है। कासा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, महिला का पति एक मछुआरा था और अक्सर अपने परिवार से दूर रहता था। रविवार को वह घर लौटा और अपने दोस्तों के साथ बाहर चला गया। अधिकारी ने कहा कि उसकी पत्नी नाराज थी क्योंकि वह उसे अपने साथ नहीं ले गया था और इस वजह से उनके बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद महिला ने कथित तौर पर अपनी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में खुद भी अपने घर की छत से लटक गई। तब पड़ोसियों ने पुलिस को इस घटना की सूचना दी और पुलिस मौके पर पहुंच गई, इसके बाद जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शरद पवार की पार्टी को मिली चंदा लेने की अनुमति !

मुंबई, भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) को बड़ी राहत दी है। आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी को चंदा लेने की अनुमति दे दी है। बता दें कि शरद पवार की पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग ने स्वैच्छिक चंदा स्वीकारने की अनुमति देने की अपील की थी। एनसीपी (शरद पवार) को चंदा स्वीकार करने का अधिकार चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के अंतिम निपटारे तक लागू रहेगा। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की प्रासंगिक धाराओं के तहत पार्टी को सरकारी कंपनी के अलावा किसी भी व्यक्ति या कंपनी से स्वैच्छिक रूप से अंशदान को स्वीकारने को अधिकृत किया है। पार्टी के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सोमवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। पिछले साल यानी 2023 के जुलाई महीने में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार की पार्टी को तोड़ दिया था। बाद में चुनाव चिह्न और पार्टी का नाम राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित गुट को मिला था। वहीं शरद पवार गुट को लोकसभा चुनाव में नया नाम अपनाना पड़ा था। पार्टी की टूट के बावजूद शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी ने लोकसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। पार्टी ने महाराष्ट्र की 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे आठ पर जीत मिली थी। वहीं अजित पवार की पार्टी एनसीपी ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसे सिर्फ एक सीट से ही संतोष करना पड़ा था।

नीति पेपर लीक खुलासे के तार महाराष्ट्र तक ..

बंगाली टीचर अमलेश मैती के तार कहां तक..

इसी तरह बहुत सारे मीरा-भायंदर शहर के बच्चों को बरगला कर लाखो रुपए फीस के रूप ऐठने, परीक्षा में पास करवाने, डमी परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा में बैठाने के साथ रीना मेहता कालेज के नाम पर ठगी करने के स्कैंडल का खुलासा ..

पी/उत्तर मनपा विभाग के सहायक आयुक्त खुलेआम दे रहे हैं अवैध निर्माण को संरक्षण?

इस अवैध निर्माण पर कब होगी करवाई ?

मा. किरण दिघवकर
सहायक आयुक्त : पी/उत्तर मनपा विभाग

मुंबई, मालाड, एक तरफ मुख्यमंत्री व मनपा आयुक्त अवैध निर्माण को रोकने का अथक प्रयत्न कर रहे हैं व अवैध निर्माण को तोड़ने का आदेश सभी संबंधित विभाग को दिये हैं, दूसरी तरफ मनपा के सहायक आयुक्त किरण दिघवकर कानून का उल्लंघन कर अवैध निर्माण का संरक्षण कर रहे हैं, सूत्रों के अनुसार सहायक आयुक्त किरण जब से पी/उत्तर मनपा वार्ड में आये हैं तब से हजारों अवैध निर्माण खुले भूखंड पर किए जा रहे है, इसी तरह से अवैध निर्माण न्यू वैज़ल कंपाउंड के पास, फिल्म सिटी रोड, सैटेलाइट टावर्स के सामने, गोरेगांव, मुंबई में तीन मंजिले का अवैध निर्माण किया जा रहा है जबकि शिकायतकर्ता राजेश पाण्डेय के अनुसार शुरूआती दौर से हमने संबंधित विभाग से अवैध निर्माण पर लगातार शिकायत करते आ रहे हैं.

उसी संबंध में सहायक आयुक्त को लिखित रूप से कई बार शिकायत करने के बाद भी 61 बार ईमेल करने के बाद भी सहायक आयुक्त अवैध निर्माण के ऊपर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, क्योंकि सहायक आयुक्त भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, अवैध निर्माण के ऊपर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने के लिए सहायक आयुक्त व उनके संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ता का नाम का खुलासा कर शिकायतकर्ता को गुंडो से धमकी दिलाया जा रहा है की कंप्लेंट वापस कर लो नहीं तो हम तुम्हें जान से मरवा देंगे या झूठे केस में फंसा देंगे। सहायक आयुक्त का कर्तव्य है कि वह अवैध निर्माण के ऊपर तत्काल कार्रवाई करें और अवैध निर्माण की सूचना देने वाले या कंप्लेंट करने वाले शिकायतकर्ता का नाम गुप्त रखें, लेकिन भ्रष्टाचार में संलिप्त आयुक्त व उनके अधिकारियों ने अवैध निर्माण के ऊपर कारवाई करने के बजाय अवैध निर्माण को खुलेआम संरक्षण दे रहे हैं, व कानून का उल्लंघन कर शिकायतकर्ता का नाम का खुलासा भी किया है इससे शिकायतकर्ता की जान माल को खतरा बना हुआ है. मीडिया के माध्यम से शिकायतकर्ता ने मनपा आयुक्त से इस विषय को गंभीरता से लेने की अपील की है. इसकी विभागीय जांच काराकर भ्रष्ट व रिश्वतखोर अधिकारी के ऊपर तत्काल कार्रवाई करें व शिकायतकर्ता की जान माल की रक्षा करें।

मुंबई आर/उत्तर मनपा विभाग में हुए भ्रष्टाचार की कब होगी जांच-पड़ताल?

अवैध निर्माण माफियाओं का सरदार ! जूनियर अभियंता चंद्रकांत फड़तरे...

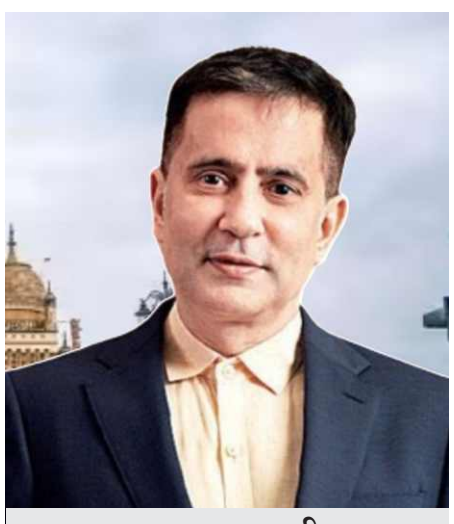

भूषण गगराणी
(मुंबई मनपा आयुक्त)

दहिसर। मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मीडिया में लगातार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी मनपा आयुक्त एवं संबंधित अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसा लगता है कि जैसे आर/उत्तर मनपा व मनपा में काबिज संबंधित अधिकारियों के भी हाथ भ्रष्टाचार की चाशनी में सने हुए हैं। आर/उत्तर के इमारत एवं कारखाना विभाग में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होना ये दर्शाता है कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव जीतने वाली भाजपा सरकार भी फेल हो गई है। अब तो ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे शासन-प्रशासन का भी हाथ इस भ्रष्टाचार की चाशनी में सना हुआ हो। यही वजह है कि आज हमारे देश के राजनेताओं, पूंजीपतियों, बिल्डरों सरकारी अफसरों की इमेज हद से ज्यादा खराब, अविश्वसनीय और देश तथा जनता को लूटकर खाने वाली बिरादरी की बन गई है। आए दिन इन लोगों के खिलाफ मीडिया में भ्रष्टाचार की खबरें छपने के बाद भी न ही सरकार को इसकी चिंता है न ही बड़े-बड़े अधिकारियों को। पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनने के बावजूद हकीकत यह है कि भ्रष्टाचार देश का सबसे गंभीर रोग है, जिससे सबसे ज्यादा प्रभावित आम लोग होते हैं। बिना लेन-देन के कहीं भी, किसी भी विभाग में कोई काम नहीं होता। फिर चाहे वह नगरपालिका हो, कलेक्टर आफिस हो, पुलिस विभाग या मंत्रालय हो। देश-प्रेम और जनसेवा के शब्द लिखे बोर्ड तो दिखते हैं लेकिन स्टोरी सीरियल की तरह जैसे सारे हथकंडे और तिकड़म अपनाई जाती है। यही हाल मनपा विभाग में व्याप्त है। उसी भ्रष्टाचार की कड़ी मे महानगरपालिका के कई अधिकारी जेल जा चुके है। मिली जानकारी के अनुसार कई सहायक अभियंता एवं जूनियर अभियंता जबसे कारखाना एवं इमारत विभाग के मलाईदार विभाग में अब तक बने रहना ये भी एक जांच-पड़ताल का विषय है। अब सवाल यह है कि कनिष्ठ अभियंता चंद्रकांत फड़तरे पर मनपा की आस्थापना विभाग इतनी मेहरबान क्यों है? एक कहावत है कि सारी दुनिया एक तरफ और जोरू का भाई एक तरफ। ऐसे ही फड़तरे के ऊपर भी कई भ्रष्टाचार के मामले होने के बावजूद बिल्डिंग एवं कारखाना विभाग में डटे हुए है। परन्तु फड़तरे अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की बदौलत अवैध निर्माण के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। वैसे ही मुंबई मनपा के आर/उत्तर विभाग के इमारत एवं कारखाना विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने की कोशिश की जा रही है। आर/उत्तर मनपा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर द रेड स्टार न्यूज़ में लगातार खबरें प्रकाशित करने के साथ साथ मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त, पश्चिमी उपनगर अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त परिमंडल 07, आर/उत्तर सहायक आयुक्त, आर/उत्तर शिकायत अधिकारी, पद-निर्देशित अधिकारियों को भी शिकायत करने के बावजूद भी अवैध निर्माण पर सुनने को तैयार नहीं है। या यू कहे कि कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। वहीं समाजसेवी संगठनों एवं पत्रकारों द्वारा शिकायत करने के बाद और जोर-शोर में अवैध निर्माण किया जा रहा है। इतना ही नहीं बल्कि पत्रकारों द्वारा आरटीआई मे जबाब मांगने के बाद भी कोई सही जानकारी नहीं दी जाती बल्कि घुमा-फिरा कर गोल माल आधी अधूरी जबाब मिलता है। यही कारण है कि अब सहायक आयुक्त नवनीस वेंगुरलेकर भी शक के घेरे में आ गए हैं। अब तो यही लगता है कि आर/उत्तर विभाग में हुए करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार मामले में सहायक आयुक्त से लेकर इमारत एवं कारखाना विभाग के सभी अधिकारी संलिप्त हैं। वही महानगरपालिका का बिल्डिंग एवं फैक्टरी विभाग एक खास अभियंता की कठपुतली बनी हुई है? मनपा आर/उत्तर के भ्रष्ट अधिकारी चंद्रकांत फड़तरे का चहेता भूमाफिया व ठेकेदार भीम शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव से लेकर अब तक 02 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण कर चुका है। **अगले अंक में पढ़े मनपा आर/उत्तर के सहायक आयुक्त की पूरी कहानी पार्ट एक.?**

डीएम ने पेट्रोल पंप का लिया जायजा

संभल, संभल में डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया अचानक पेट्रोल पंप का निरीक्षण करने पहुंच गए। पेट्रोल पंप पर डीएम को देख कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। डीएम के साथ सीडीओ गोरखनाथ भट्ट एवं डीएसओ शिवी गर्ग मौजूद रही। पेट्रोल पंप पर मिले कर्मचारियों से डीएम ने कहा कि अपने शौचालय चेक कराइए।

संभल के रिलायंस पेट्रोल पंप का शौचालय देखकर डीएम ने नाराज की व्यक्त की और कहा कि शौचालय में साफ सफाई रहनी चाहिए। यहां एक शौचालय पर ताला लगा मिलने पर डीएम ने कर्मचारियों को फटकार और निर्देश दिए कि किसी भी शौचालय पर ताला नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद भारत पेट्रोल पंप एवं पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान खां के पेट्रोल पंप का भी निरीक्षण किया। दोनों जगह डीएम को शौचालय की स्थिति रिलायंस पेट्रोल पंप से बेहतर मिली, फिर भी डीएम ने दोनों ही पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को साफ सफाई दुरुस्त रखने एवं पेट्रोल पंप पर मिलने वाली जन सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि पेट्रोल पंप पर सार्वजनिक जनसुविधाएं उपलब्ध कराना आमजन को हमारे पेट्रोल पंप की स्वामियों का दायित्व है. अभी हमने निरीक्षण इसलिए किया है कि सामान्य रूप से पेट्रोल पंप पर स्थिति ऐसी मिलती है। जन सुविधा बढ़े और जो हमारे पेट्रोल पंप मालिक इस ओर ध्यान दें और हम मिलकर के एक कम्युनिटी पार्टिसिपेशन के द्वारा इस संभल को एक स्वच्छ संभल और सुंदर संभल के रूप में बनाएंगे, यही हमारी इच्छा है।

पति ने पत्नी के साथ मिलकर प्रेमी को उतारा मौत के घाट

एटा, प्रेमिका की निशानदेही पर पुलिस को युवक का कंकाल बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि युवक की पहचान के लिए कंकाल को फोरेंसिक लेब भेजा जायेगा। रात एक बजे एटा पुलिस आगरा पहुंची, ताजगंज पुलिस के साथ मिलकर पुलिस ने युवक की प्रेमिका और उसके पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पति गोविंदा ने पुलिस को बताया कि दिलीप उसकी पत्नी को फोन करता था। उसने दिलीप को 5 जून को आगरा बुलाया। रात में अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। खरा गांव से लापता हुए युवक का शव आगरा में मिला है। युवक को प्रेमिका के पति ने दोस्त के साथ मिलकर मौत के घाट उतारा था। उसके शव को दफन कर दिया। प्रेमिका की निशानदेही पर पुलिस को युवक का कंकाल बरामद हुआ है। एक माह तक किसी को इसका पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि युवक की पहचान के लिए कंकाल को फोरेंसिक लेब भेजा जायेगा। एटा के मोहल्ला खरा थाना सकीट की रहने वाली नीरज देवी ने 8 जून को थाने में 20 साल के बेटे दिलीप की गुमशुदगी दर्ज कराई। नीरज देवी ने जानकारी दी थी कि दिलीप 5 जून की दोपहर दो बजे से घर से निकला था और इसके बाद वो घर नहीं आया। काफी तलाश की गई लेकिन कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली।

एक माह से परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। मृतक के छोटे भाई ने बताया कि पुलिस ने सर्विलांस के जरिए भाई की लोकेशन आगरा में निकाली। पुलिस ने बताया कि भाई का मर्डर हो गया है और उसकी बॉडी को आगरा में फेंक दिया है। एटा सकीट थाना प्रभारी ने बताया, रात को हत्यारोपी की निशानदेही पर शव को बरामद करने के प्रयास किए गए। 5 जून को दिन में घर से निकला था युवक 8 जून को दर्ज हुई गुमशुदगी, वहां से कुछ हड्डी व कंकाल मिला है। जांच के लिए कंकाल को फारेंसिक लैब भेजा जाएगा। डीएनए जांच भी कराई जाएगी। अभी मौके पर फारेंसिक टीम साक्ष्य संकलन कर रही है।

शिकायतों के निस्तारण में एडीजी जोन नंबर वन

बरेली, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में शामिल जनता की शिकायतों के निस्तारण में बरेली जोन नंबर वन है। जोन स्तर से शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जा रहा है। इसके अलावा बरेली जोन के पांच जिले में फर्स्ट आये हैं। शाहजहांपुर और अमरोहा शिकायतों के निस्तारण में सबसे फिसड्डी साबित हुये हैं। शासन ने जून 2024 में प्रदेश भर की आईजीआरएस की रैंकिंग जारी की है। इसमें बरेली जोन जनशिकायतों का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण में एडीजी रमित शर्मा के निर्देशन में प्रथम आई है। जून में 6 सन्दर्भ प्राप्त हुये थे। इसमें सभी छह सन्दर्भों का गुणवत्तापरक एवं समयबद्ध निस्तारण कराया गया। एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा आईजीआरएस प्रकोष्ठ में नियुक्त प्रभारी उप निरीक्षक सतेन्द्र कुमार, मुख्य आरक्षी नरेन्द्र प्रताप सिंह एवं महिला आरक्षी कली पाण्डेय को पुरुस्कृत किया गया। एडीजी बरेली जोन के पर्यवेक्षण में मुरादाबाद परिक्षेत्र को प्रथम एवं बरेली परिक्षेत्र को 16वीं रैंक मिली है। जोन में बदायूं, पीलीभीत, मुरादाबाद, बिजनौर एवं सम्भल) को भी प्रथम रैंक मिली है। बरेली एवं रामपुर को 33वीं रैंक तथा शाहजहाँपुर एवं अमरोहा को 55वीं रैंक प्राप्त हुयी है। एडीजी जोन रमित शर्मा ने बताया कि जनता की शिकायतों को टीम मैनजमेंट, समयबद्धता और गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित किया गया। प्रदेश में प्रथम आने पर आईजीआरएस की पूरी टीम को सम्मानित किया जायेगा।

तहसीलदार के कार्यक्षेत्र में बदलाव

उनाव, उत्तर प्रदेश के उन्नाव में डीएम ने नायब तहसीलदार के कार्यक्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है। पूर्णिमा तिवारी को सदर तहसीलदार बनाया गया है। जबकि नवागत नायब तहसीलदार धीरेश कुमार त्रिपाठी को सफीपुर भेजा गया है। सूचना विभाग से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश की तरफ से धीरज त्रिपाठी को बस्ती से उन्नाव स्थानांतरण कर दिया गया है। डीएम ने शासकीय कार्यहित और जनहित को देखते हुए नायाब तहसीलदारों के कार्य क्षेत्र में बदलाव किया है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने नायब तहसीलदार तहसील पुरवा के आशुतोष पांडे को नायब तहसीलदार तहसील हसनगंज बनाया है। इसके साथ ही नायब तहसीलदार तहसील बीघापुर स्नेहा यादव को नायब तहसीलदार तहसील सदर के पद पर भेजा गया है। नायब तहसीलदार तहसील पुरवा की प्रज्ञा अग्निहोत्री को नायब तहसीलदार तहसील हसनगंज बनाया गया है। सूचना विभाग से जारी पत्र के अनुसार पूर्णिमा तिवारी को हसनगंज तहसील से सदर तहसील का नायब तहसीलदार बनाया है। धीरेश कुमार सिंह को नायब तहसीलदार सफीपुर से नायब तहसीलदार पुरवा बनाया गया है। जबकि बस्ती से स्थानांतरित आने होकर आने वाले धीरज कुमार त्रिपाठी को सफीपुर तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर भेजा गया है। डीएम ने निर्देशित किया है कि स्थानांतरित किए गए सभी अधिकारी तत्काल नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर लें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है।

चाचा ने की भतीजे की हत्या

बरौरा, लखनऊ के बरौरा हुसैन बाड़ी में मरी माता मंदिर के पास एक पारिवारिक विवाद ने भयानक रूप ले लिया जब चाचा ने अपने भतीजे की हत्या कर दी। मकान के विवाद को लेकर चल रहे तनाव के बीच, चाचा रामसेवक ने भतीजे राम भरोसे की हत्या कर दी। परिवार का आरोप है कि राम भरोसे को मारने के बाद उसे कमरे में लटका दिया गया। परिवार के अनुसार, यह विवाद काफी दिनों से चल रहा था। मृतक राम भरोसे घर के बाहर सब्जी की दुकान चलाता था और घटना की सुबह 7:00 बजे चाचा रामसेवक ने इस खौफनाक घटना को अंजाम दिया। हत्या के बाद, रामसेवक ने स्वयं पर चाकू से वार कर खुद को घायल कर लिया और तुरंत ठाकुरगंज थाने पहुंच गया। घटना की सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। आरोपी चाचा रामसेवक को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। परिवार का आरोप है कि चाचा ने जानबूझकर खुद को घायल किया ताकि घटना को आत्मरक्षा का रूप दिया जा सके। पुलिस ने सभी साक्ष्यों को एकत्रित कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच की जा रही है।

विनोद एस.पी. सिंह
चीफ ब्यूरो- उत्तर प्रदेश
मो. 8887830802

हाथरस कांड में बड़ी कार्रवाई

हाथरस, हाथरस में हुए भगदड़ हादसे के करीब 7 दिन बाद योगी सरकार ने पहला एक्शन लिया है। सरकार ने SDM, CO, इंस्पेक्टर समेत 6 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने SIT की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। आपको बता दें कि SIT ने 8 जुलाई को सीएम योगी को हाथरस हादसे से जुड़ी 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। योगी सरकार ने एसडीएम रविंद्र कुमार, सीओ आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर, तहसीलदार और चौकी इंचार्ज कचौरा और पारा को सस्पेंड कर दिया। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, हादसे में साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसकी गहनता से जांच जरूरी है। हादसा आयोजकों की लापरवाही से हुआ। स्थानीय पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने आयोजन को गंभीरता से नहीं लिया SIT ने रिपोर्ट में कहा कि SDM, CO, तहसीलदार, इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज ने अपनी जिम्मेदारी में लापरवाही की। एसडीएम ने बिना कार्यक्रम स्थल का मुआयना किए कार्यक्रम की अनुमति दी। सीनियर अफसरों को भी जानकारी नहीं दी। जांच के दौरान 150 अफसरों, कर्मचारी और पीड़ित परिवारों के बयान दर्ज किए। 2 जुलाई को हाथरस में हुई भगदड़ में 123 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें 113 महिलाएं और 7 बच्चियां शामिल हैं। इस केस की तीन लेवल पर जांच हो रही है। पहली रिपोर्ट SDM ने हादसे के 24 घंटे बाद प्रशासन को सौंपी थी। दूसरी रिपोर्ट सोमवार को एच्ऊ ने योगी सरकार को सौंपी। इसके अलावा न्यायिक जांच आयोग का भी गठन किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बृजेश कुमार श्रीवास्तव आयोग के अध्यक्ष हैं। 2 महीने आयोग जांच की तीसरी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

हमसफर रिसॉर्ट पर चला बुलडोज!

रामपुर, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां के हमसफर रिसॉर्ट पर एक बार फिर प्रशासन ने बुलडोजर चलाने की कार्रवाई शुरू की है। आज यानी 9 जुलाई को जेसीबी लेकर पहुंची एसडीएम ने सरकारी जमीन पर बनी दीवार और भवन के ध्वस्तीकरण का काम शुरू कर दिया है। प्रशासन की इस कार्रवाई से इलाके में खलबली मच गई है। शहर विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर यह मामला तेजी से आगे बढ़ा। कुछ दिन पहले आकाश सक्सेना ने कार्रवाई के लिए पत्र लिखकर रिमाइंडर भी भेजा था। इसके बाद बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर सपा के प्रदेश सचिव ओमेंद्र चौहान ने कार्रवाई पर नाराजगी व्यक्त की है। जिला प्रशासन ने तहसीलदार सदर की कोर्ट में वाद दायर किया था। इसमें कहा गया था कि रिसोर्ट में खाद के गड्ढों की 0.038 हेक्टेयर जमीन है, जिसकी गाटा संख्या 164 है। कोर्ट के आदेश पर पैमाइश कराई गई। इसमें पुष्टि हुई कि यह जमीन खाद के गड्ढों की है। कोर्ट ने अवैध कब्जा हटाने और क्षतिपूर्ति वसूलने के आदेश दिए थे, लेकिन तब से यह कार्रवाई धीमी हो गई थी। तीन दिन पहले जब शहर विधायक आकाश सक्सेना ने तहसील प्रशासन से नाराजगी जताते हुए रिमाइंडर भेजा तो प्रशासन अलर्ट हो गया। कोर्ट के आदेश के पालन में प्रशासन की टीम जेसीबी लेकर हमसफर रिसोर्ट पहुंची और कब्जा मुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू की। जेसीबी की मदद से अवैध निर्माणों और कब्जों को हटाया गया।

बीएसए की बड़ी कार्रवाई

उनाव, उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बीएसए ने परिषदीय विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों, कर्मचारी के एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। जिन्होंने डिजिटाइजेशन का विरोध करते हुए उपस्थिति दर्ज करने नहीं कराई। बीसीए ने बताया कि शिक्षकों ने 8 जुलाई को अपनी उपस्थिति डिजिटल नहीं की। जो शासन के आदेशों के विपरीत है। इसलिए शिक्षकों और कर्मचारियों के एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। जिला महामंत्री जूनियर शिक्षक संघ अनुपम मिश्रा ने बताया कि शिक्षक काले कानून को नहीं मानेगा। सरकार चाहे उनके खिलाफ कोई भी कदम उठाए।

बीएसए संगीता सिंह ने परिषदीय विद्यालयों के सभी शिक्षकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 जुलाई का वेतन रोकने का निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया कि अध्यापकों व कर्मियों ने 8 जुलाई को अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। जो विभागीय निर्देशों का उल्लंघन है। इसको देखते हुए समस्त अध्यापकों और कर्मियों का 8 जुलाई का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोका जा रहा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी संगीता सिंह ने शिक्षकों से कहा है कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक के आदेशों का पालन करें और डिजिटल उपस्थित दर्ज कराएं। उनकी समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर होगा। शिक्षकों को मोटिवेट किया जा रहा है। समय से स्कूल पहुंचे और बच्चों के हित के लिए कार्य करें। यदि कोई समस्या आती है तो उसको भी देखा जाएगा।

शुभ संकेत बनकर उभरे अलीगढ़ के रिंकू सिंह

अलीगढ़, भारत के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह टी20 क्रिकेट में वो काम लगातार बड़ी आसानी से कर रहे हैं, जो इस खेल में काफी मुश्किल माना जाता है। रिंकू सिंह अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से फिनिशिंग का काम बड़ी सहजता के साथ कर रहे हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में महज 22 गेंदों पर 48 रनों की नाबाद पारी खेली और भारत का स्कोर 234 रनों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई। फिनिशिंग ऐसी भूमिका है जहां एक बल्लेबाज को परिस्थितियों के हिसाब से खेलते हुए ना केवल अंत तक टिकना होता है, बल्कि रन गति को भी बढ़ाना होता है। तेज रन बनाने के फेर में कई बल्लेबाज अपना विकेट गंवा देते हैं। यही फिनिशर की चुनौती है, जिसके लिए विशेषज्ञता की जरूरत है। रिंकू सिंह फिलहाल जिस तरह से इस कला में महारत हासिल करते दिखाई दे रहे हैं, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा शुभ संकेत है। यूपी के अलीगढ़ निवासी 26 साल के रिंकू सिंह ने फिनिशिंग की भूमिका को इतनी बड़ी सफलता के साथ अंजाम दिया है कि उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय औसत 17 मैचों के बाद 80.80 है। इतना बड़ा औसत बताता है कि वे कितनी बार नाबाद रहे हैं। रिंकू सिंह इन मैचों में 8 बार नाबाद लौटे हैं और इसके साथ उन्होंने रन गति को भी ऊपर किया है। उनका स्ट्राइक रेट 178.76 का है जो इतने औसत के साथ अद्भुत है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिंकू सिंह 38(21), 37(15), 22(14), 31(9), 46(29),

6(8), 68(39), 14(10), 16(9), 9(9), 69(39), 0(2) 48(22) की पारियां खेल चुके हैं। ये आंकड़ा उनकी काबिलियत को बयां करता है। हालांकि रिंकू सिंह उस प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं बन पाए थे जिसने टी20 विश्व कप जीता था, लेकिन अब उनके पास रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा की खाली हुई जगह में अपनी स्थायी जगह बनाने का भरपूर मौका है।

भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मैच जीतकर श्रृंखला को 1-1 से बराबर कर दिया है। तीसरे मैच से पहले टीम के साथ यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी भी जुड़ चुके हैं। सीरीज का तीसरा मुकाबला 10 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा।

भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

लखीमपुर खेरी, उत्तर प्रदेश में मानसून ने इस बार अपना कहर बरपाया है। बीते 24 घंटों में प्रदेश के कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। कुशीनगर, श्रावस्ती, बिजनौर और अंबेडकरनगर जैसे जिलों में बारिश ने फसलों को डूबो दिया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है।किसानों का कहना है कि इस तरह की भारी बारिश से उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है। कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव हो गया है, जिससे यातायात में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। आम जनता को भी इस बारिश से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है। विभाग ने सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज,

सिद्धार्थनगर, गोंडा, हरदोई, फर्रुखाबाद, संभल, बदायूं एवं आसपास के जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रदेश में बारिश से हो रहे नुकसान को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। प्रभावित इलाकों में राहत कार्य तेज कर दिए गए हैं और प्रशासन की ओर से हर संभव मदद की जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

948 विरासत वृक्षों को संवारेगी योगी सरकार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विरासत वृक्ष अंगीकरण योजना के तहत प्रदेश के 948 प्राचीन वृक्षों का संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया है। 100 वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों के वृक्षों को विरासत वृक्ष घोषित किया गया है। इन वृक्षों में काशी में सर्वाधिक 99, प्रयागराज में 53, हरदोई में 37, गाजीपुर में 35, और उन्नाव में 34 विरासत वृक्ष शामिल हैं। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने गैर वन क्षेत्र (सामुदायिक भूमि) पर अवस्थित सौ वर्ष से अधिक आयु के 28 प्रजातियों को विरासत वृक्ष घोषित किया है। इनमें प्रमुख रूप से अरु, अर्जुन, आम, इमली, कैम, करील, कुसुम, खिरनी, शमी, गम्हार, गूलर, छितवन, चिलबिल, जामुन, नीम, एडनसोनिया, पाकड़, पीपल, पीलू, बरगद, महुआ, महोगनी, मैसूर बरगद, शीशम, साल, सेमल, हल्दी और तुमाल शामिल हैं। इनमें पीपल प्रजाति के 422 और बरगद प्रजाति के 363 वृक्ष हैं। विरासत वृक्षों में आध्यात्मिक और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े वृक्ष भी शामिल किए गए हैं। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर, काली मंदिर के समीप और गौशाला के अंदर बरगद और पाकड़ वृक्ष सहित पूरे जनपद में 19 वृक्ष विरासत वृक्ष घोषित किए गए हैं। लखनऊ और वाराणसी के क्रमशः दशहरी आम और लंगड़ा आम के मातृ वृक्ष, फतेहपुर का बाचन इमली, मथुरा के इमलीतला मंदिर परिसर का इमली वृक्ष, प्रतापगढ़ का करील वृक्ष, बाराबंकी में स्थित एडनसोनिया वृक्ष, हापुड़ और संत कबीर नगर में अवस्थित पाकड़ वृक्ष, सारनाथ का बोधि वृक्ष, बाबा झारखंड के नाम से प्रसिद्ध अम्बेडकर नगर का पीपल वृक्ष और आर्डिनेंस क्लॉथ फैक्ट्री शाहजहांपुर में स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा पीपल वृक्ष शामिल हैं। वृक्षारोपण जन अभियान-2024 के तहत प्रदेशवासियों को चिह्नित विरासत वृक्षों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 11 जनपदों में विरासत वृक्ष वाटिका तैयार की जाएगी। ये वाटिका गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, बरेली, मथुरा, सीतापुर, चित्रकूट और मीरजापुर में तैयार होगी। प्रत्येक वाटिका में विरासत वृक्ष से तैयार पौधा/टहनी/डाल को अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा। योगी सरकार ने विशिष्ट विरासत वृक्षों की भी पहचान की है। इनमें चीनी यात्री हवेनसांग द्वारा उल्लिखित झूंसी (प्रयागराज) का एडनसोनिया वृक्ष, मथुरा के टेर कदंब मंदिर परिसर और निधि वन में अवस्थित पीलू वृक्ष, प्रयागराज के किले में अक्षयवट, उन्नाव जनपद में वाल्मीकि आश्रम, लव कुश जन्म स्थली और जानकी कुण्ड नाम से प्रसिद्ध स्थल पर अवस्थित बरगद वृक्ष, और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े हुए एन.बी.आर.आई लखनऊ और महामाया देवी मंदिर परिसर गाजियाबाद में अवस्थित बरगद वृक्ष शामिल हैं।

उपचुनाव में भाजपा की सीटों पर सेंध लगाएगी कांग्रेस?

लखनऊ, लोकसभा चुनाव 2024 में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपना संगठन मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में ही कांग्रेस यूपी की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में अपना दमखम दिखाने को तैयार है। दरअसल कांग्रेस को यूपी में साल 2019 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी। लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटें भी खाली हुई हैं। इन सीटों पर कभी भी उपचुनाव की घोषणा हो सकती है। कांग्रेस सूत्रों की मानें तो पार्टी लोकसभा चुनाव के बाद से ही विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में जुट गई थी। इसके तहत जहां-जहां इंडिया गठबंधन की जीत हुई है। वहां-वहां पार्टी के नेता धन्यवाद कार्यक्रम कर रहे थे। वहीं सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने के बाद विधानसभा की सदस्यता चली गई। इससे कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट भी खाली है। वहीं मिल्कीपुर, करहल, कटेहरी और कुंदरकी विधानसभा सीट सपा के पास थी। जो लोकसभा चुनाव के बाद खाली हुई हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है 10 सीटों में कम से कम चार सीटों पर पार्टी की दावेदारी होगी। लोकसभा चुनाव में विधायकों के जीतने के बाद यूपी में विधानसभा की कुल 10 सीटें खाली हो गई हैं। इनमें फूलपुर, खैर, गाजियाबाद और मझवां विधानसभा सीटें भाजपा की हैं।

सावन सोमवार व्रत में जरूर करें ये काम

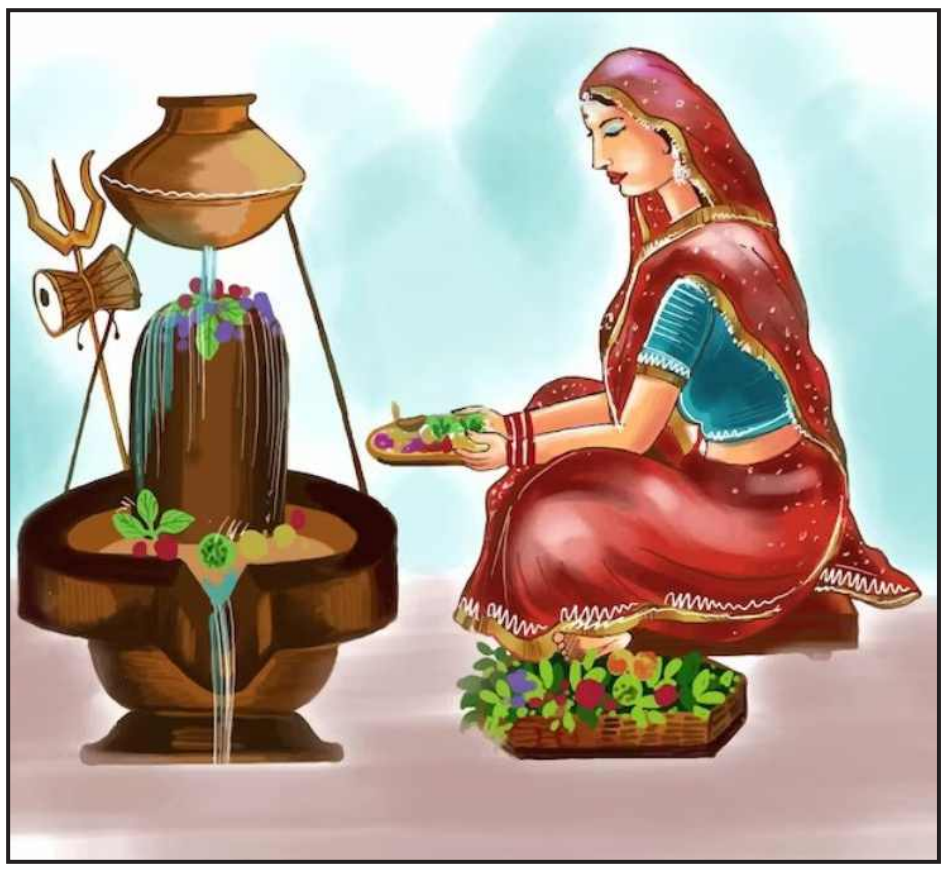

धर्म ग्रंथों के अनुसार पृथ्वी पर जन्मे हर मनुष्य को भगवान विष्णु या भगवान शिव में से किसी एक का व्रत जरूर करना चाहिए। इससे उसके सारे कष्ट कटते हैं और मृत्यु के बाद वह जन्म मृत्यु के चक्र से छुटकारा पाता है। इसमें सावन का महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इस महीने में उनकी पूजा अर्चना विशेष शुभ फल देती है। विशेष बात यह है कि सावन सोमवार, त्रयोदशी, शिवरात्रि के व्रत भगवान शिव को आसानी से प्रसन्न कर देते हैं तो आइये जानते हैं सावन सोमवार व्रत, त्रयोदशी या शिवरात्रि के दिन व्रती को कौन से नियमों का पालन जरूर करना चाहिए।

पंचांग के अनुसार श्रावण की शुरुआत 22 जुलाई 2024 से हो रही है और यह महीना अंग्रेजी कैलेंडर के 19 अगस्त को संपन्न होगा। पहला सोमवार भी सावन के पहले दिन यानी 22 जुलाई को है। इस तरह इस साल सावन में पांच सोमवार व्रत पड़ेंगे।

इस पावन मास में श्रद्धालु भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करते हैं। श्रावण मास में ज्यादातर श्रद्धालु सोमवार के दिन व्रत रखते हैं और भगवान शिव की शुद्ध मन से पूजा करते हैं। अविवाहित लड़कियां श्रावण के हर मंगलवार को मंगला गौरी का व्रत रखती हैं। कुछ महिलाएं मनचाहा पति पाने के लिए सोमवार व्रत करती हैं और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं। श्रावण के दौरान कांवड़ यात्रा भी बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें श्रद्धालु पवित्र गंगा के पास विभिन्न धार्मिक स्थानों पर जाते हैं और वहां से गंगाजल लाकर शिवरात्रि के दिन भगवान शिव को चढ़ाते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार भगवान शिव ही एक मात्र संपूर्ण पारिवारिक जीवन जीने वाले देवता है, उनका जीवन मनुष्यों को सीख देता है कि कैसे धरती पर जीवन जीना है। साथ ही इससे भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मान्यता है कि सावन के सोमवार को भगवान भोलेनाथ की पूजा से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। मान्यता है कि सुहागिन महिलाएं यह व्रत रखती हैं तो उनका वैवाहिक जीवन सुखी होता है। वहीं कुंवारी लड़कियां अच्छे वर के लिए व्रत रखती है।

साथ ही भगवान के आशीर्वाद से उनके जीवन में सुख शांति संपन्नता बनी रहती है और बिगड़े काम बनने लगते हैं। सावन के सोमवार में व्रत रखने से परिवार में खुशियां आती हैं और जीवन की सभी समस्याएं और अड़चनें दूर होती हैं। आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। मान्यता है कि सावन के सोमवार का व्रत रखने से जन्मकुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

सावन शिवरात्रि या सोमवार के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहन कर भगवान शिव की मूर्ति की पूजा करें। शिवलिंग का जलाभिषेक करें और व्रत रखें। इस पूरे दिन मंत्र जाप और प्रार्थना करें। सावन शिवरात्रि या सोमवार के व्रत में फल खा सकते हैं, लेकिन नमक वाली चीजों के सेवन से परहेज करना चाहिए। साथ ही पूरा दिन भगवान शिव का ध्यान करें, मंत्र जपें और उनकी उपासना करें। साथ ही किसी व्यक्ति को अनजाने में भी अपशब्द कहने से बचें।

व्रत खोलते समय आप कुट्टू के आटे की पूड़ी, फल की चाट, उबले हुए आलू, साबूदाना की खीर और दही आदि खा सकते हैं।

सावन व्रत के दौरान गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को वस्त्र और भोजन दान करना चाहिए।

सावन में न करें ये काम-

सावन में न कटवाएं बाल: सावन मास को उन्नति और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। इस समय दक्षिण-पश्चिम मानसून किसानों के लिए खुशियां लाता है। श्रावण भी विकास से जुड़ा है, इसलिए जो भी चीज प्राकृतकि रूप से उगती है, उसे नहीं काटना चाहिए। इसलिए सावन में बाल हों या नाखून काटने से रोका जाता है।

सावन में न खाएं लहसुन, प्याज: श्रावण मास भगवान शिव की पूजा का महीना है, धार्मिक ग्रंथों में पूजा में सात्विकता पर जोर है और लहसुन प्याज तामसिक खाद्यपदार्थ माना जाता है। कहा जाता है कि इसके सेवन से व्यक्ति में आक्रामकता बढ़ती है। इसलिए व्रत के दौरान इनके सेवन को रोका गया है। साथ ही लहसुन और प्याज परतों वाली सब्जी है और मिट्टी में दबी रहती है। बारिश की वजह से मिट्टी के ऊपर कीचड़ इकट्ठी हो जाती है और प्याज लहसुन में बैक्टीरिया पनपने लगता है। इसी कारण इससे परहेज करने की सलाह दी जाती है।

सावन में न करें मांस का सेवन: भगवान शिव को पशुपतिनाथ के नाम से भी जाता है। पशुपतिनाथ का अर्थ है सभी जानवरों और जीव-जंतुओं के स्वामी, ऋषियों और तपस्वियों का कहना है कि भगवान शिव की पशुपतिनाथ के रूप में पूजा होती है इसलिए उन प्राणियों और जीवों का सेवन नहीं करना चाहिए, जो उन्हें प्रिय हैं और सावन मास में इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

सावन में सोमवार के 5 व्रत- पंचांग के अनुसार श्रावण की शुरुआत 22 जुलाई 2024 से हो रही है और यह महीना अंग्रेजी कैलेंडर के 19 अगस्त को संपन्न होगा। पहला सोमवार भी सावन के पहले दिन यानी 22 जुलाई को है। इस तरह इस साल सावन में पांच सोमवार व्रत पड़ेंगे।

पहला सावन सोमवार व्रतः 22 जुलाई
दूसरा सावन सोमवार व्रतः 29 जुलाई
तीसरा सावन सोमवार व्रतः 5 अगस्त
चौथा सावन सोमवार व्रतः 12 अगस्त
पांचवां सावन सोमवार व्रतः 19 अगस्त

महामृत्युंजय मंत्र का जाप भी कर सकते हैं।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ॥

शुरू होगा चातुर्मास हो जाएंगे मांगलिक काम

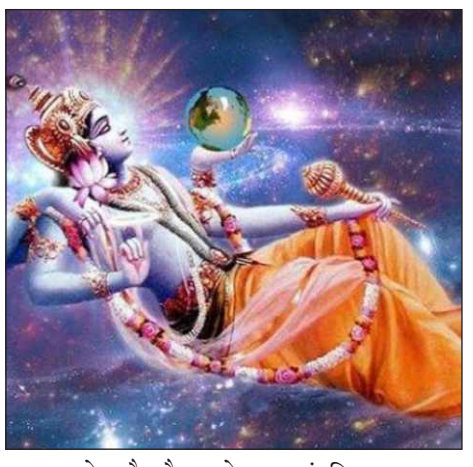

हिंदू धार्मिक ग्रंथों के अनुसार हर साल आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी से 4 माह के लिए भगवान विष्णु चिर निद्रा में चले जाते हैं और बैकुंठ छोड़कर पाताल लोक में निवास करते हैं। इस समय भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। इसीलिए इन महीनों को धार्मिक लिहाज से चातुर्मास कहा जाता है।

पंचांग के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि की शुरुआत 16 जुलाई को रात को 08.35 बजे होगी और इसका समापन 17 जुलाई को रात 09.04 बजे होगा। इस साल चातुर्मास की शुरुआत 17 जुलाई से हो रही है, इसी दिन देवशयनी एकादशी भी है। साथ ही इस समय मांगलिक कार्य बंद हो जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार किसी भी शुभ कार्य के लिए भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है, लेकिन चातुर्मास के दौरान विष्णु जी और मां लक्ष्मी समेत सभी देवी-देवताओं के योग निद्रा में होने से शुभ काम नहीं होते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार चातुर्मास के चार महीनों में कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। इस समय विवाह, मुंडन, वधु विदाई, व्यापार की शुरुआत, गृह प्रवेश आदि काम बंद रहते हैं। इसके बाद जब देवउठनी एकादशी पर विष्णु जी योग निद्रा से जागते हैं, तब चातुर्मास समाप्त होता है और इसके बाद मांगलिक काम शुरू होते हैं। चातुर्मास में चार महीने के लिए विष्णु जी सृष्टि के कार्यों के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं। इसके बाद भगवान शिव संसार का संचालन करते हैं, इसलिए इन चार महीनों में भोलेनाथ की विशेष पूजा होती है। हालांकि इसके साथ ही श्रद्धालु भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की भी उपासना करते हैं।

नए साल में राहु केतु बदलेंगे राशि?

ज्योतिष में केतु को पाप ग्रह यह छाया ग्रह माना जाता है। यह मोक्ष, आध्यात्म, तांत्रिक क्रियाओं का कारक है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ये सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव देता है। इसे किसी भी राशि का आधिपत्य प्राप्त नहीं है। धनु केतु की उच्च राशि है जबकि मिथुन इसकी नीच राशि है। 27 नक्षत्रों में से तीन नक्षत्रों अश्विनी, माघ और मूल पर केतु का आधिपत्य है।वैदिक ज्योतिष में राहु को अशुभ, छाया और पाप ग्रह माना गया है। यह ग्रह कठोर वाणी, जुआ, यात्रा, चोरी, त्वचा रोग और धार्मिक यात्रा का कारक है। राहु के कुंडली में अशुभ स्थान में होने पर व्यक्ति को भाग्य का साथ नहीं मिल पाता है। इस ग्रह को भी किसी राशि का स्वामित्व प्राप्त नहीं है। राहु मिथुन राशि में उच्च का और धनु राशि में नीच का होता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस समय राहु मीन राशि में और केतु कन्या राशि में विराजमान हैं। इनके राशि परिवर्तन में करीब 18 माह लगते हैं। अगले साल 18 मई 2025 को राहु कुंभ राशि में और केतु सिंह राशि में गोचर करेंगे। इससे तीन राशि के लोगों की किस्मत पलट जाएगी। इस बीच अगले 18 माह इन राशियों को लाभ मिलेगा। आइये जानते हैं कौन है वो लकी राशियां

वृषभ राशि

मई 2025 में राहु और केतु का गोचर वृषभ राशि वालों को भी लाभ देगा। इस समय वृषभ राशि वालों के जीवन में सकारात्मक परिणाम आएंगे। ज्योतिषियों के अनुसार इस समय आपका गोल्डन टाइम शुरू हो सकता है और आपको हर काम में सफलता मिलेगी। आपकी आमदनी के स्रोत बढ़ेंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवन में खुशियां दस्तक देंगी। इस समय वृषभ राशि वाले खूब धन कमाएंगे और पैसों की बचत करने में भी सफल होंगे। हर तरह से राहु केतु का गोचर आपके लिए फायदेमंद होगा।

सिंह राशि

राहु केतु का राशि परिवर्तन सिंह राशि के लोगों के लिए भी फायदेमंद है। इस समय दोनों छाया ग्रह आपकी जिंदगी संवार सकते हैं। सिंह राशि वालों के करियर के लिए यह अच्छा समय है। इस समय आपको खूब तरक्की मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति मिलेगी, वेतन वृद्धि मिल सकती है। राहु केतु गोचर अवधि में सिंह राशि वालों को जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। इस बीच कोर्ट कचहरी का कोई मामला चल रहा है तो उसमें आपको विजय मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति और खुशियां रहेंगी। रिश्तों में सुधार आएगा।

कुंभ राशि

साल 2025 में राहु और केतु राशि परिवर्तन का सबसे बड़ा लाभ कुंभ राशि के लोगों को मिलेगा। कुंभ राशि के स्वामी ग्रह शनि देव और राहु केतु की मित्रता इस राशि के लोगों को बड़ा लाभ पहुंचाएगी। ये लोग जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। मई 2025 से आने वाले डेढ़ साल कुंभ राशि के लोग खूब तरक्की करेंगे। आप अपने लिए प्रॉपर्टी, घर या वाहन भी खरीद सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अपार सफलता मिलेगी। इससे आपका मन प्रसन्न और संतुष्ट रहेगा। आपको करियर में बड़ी उपलब्धि मिलेगी।

शनि नचाएंगे उल्टा नाच लाइफ में खड़ा होगा बखेड़ा ... !

वैदिक ज्योतिष में शनि सबसे ताकतवर ग्रहों में से एक हैं। ये व्यक्ति के सभी पहलुओं सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक सभी पर गहरा असर डालते हैं। 29 जून को शनि कुंभ राशि वक्री हुए हैं और 15 नवंबर तक इसी अवस्था में रहेंगे जबकि इस बीच 1 नवंबर को दिवाली पड़ रही है। ऐसे में दिवाली तक शनि आपका कड़ा इम्तिहान ले सकते हैं। खास तौर पर आर्थिक रूप से परेशान हो सकते हैं।

वृषभ राशि- शनि वक्री वृषभ राशि के लोगों के लिए वक्री शनि थोड़ा मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। इससे वृषभ राशि वालों के करियर में कुछ गिरावट आ सकती है। पारिवारिक मामलों में भी यही स्थिति बनेगी। नौकरी में वृषभ राशि के लोगों पर काम का बोझ बढ़ सकता है जिसमें आपकी ऊर्जा और समय दोनों लग सकता है। वृषभ राशि के कारोबारियों को शनि की उल्टी चाल के कारण कारोबार में प्रतिद्वंदियों से कड़ी टक्कर मिल सकती है। इससे आपके हाथ से कुछ अच्छे अवसर निकल सकते हैं।

मिथुन राशि- वक्री शनि के कारण मिथुन राशि के लोगों को आने वाले 5 महीने भाग्य का साथ मिलने की संभावना नहीं है। ऐसे में मिथुन राशि वालों में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। मिथुन राशि वालों के हाथ से मौजूदा नौकरी में सुनहरे मौके छूट सकते हैं। कार्यस्थल पर मान-सम्मान में कमी आ सकती है। संभव है कि काम में की गई मेहनत के लिए आपको सराहना न मिले।

सिंह राशि- सिंह राशि वालों के लिए शनि महाराज की उल्टी चाल नए दोस्त बनाने के लिए प्रेरित करेगी, लेकिन इस समय अच्छी चीजें होना संभव नहीं होगा। इस समय आपको काम के सिलसिले में बेकार की यात्राओं पर जाना पड़ सकता है और संभव है कि यह आपको पसंद न आए।

कन्या राशि-कन्या राशि के लोगों के लिए शनि अगले 5 महीने मुश्किल पैदा करेंगे। कुंभ राशि में शनि वक्री होने से कन्या राशि वालों को अपने खर्चों को पूरा करने के लिए लोन या कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम में किए जा रहे प्रयासों की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। कन्या राशि के व्यापारी काम में कम प्रयास करेंगे, इससे प्रतिद्वंदियों से कड़ी टक्कर मिल सकती है। शनि वक्री धन हानि करा सकता है, जिससे आप नाखुश दिखाई देंगे। पार्टनर के साथ आप अचानक बहस में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए दवाइयों का सहारा लेना पड़ सकता है। रोज 41 बार ॐ नमो नारायणाय मंत्र का जाप करें।

तुला राशि- तुला राशि के लोगों के लिए शनि देव वक्री अवस्था भविष्य को लेकर चिंता पैदा करेगी। कार्यस्थल में आपकी बुद्धिमानी को नजरअंदाज किया जा सकता है। बिजनेस के क्षेत्र में परेशानी आ सकती है, समझदारी से निर्णय लेने में समर्थ नहीं होंगे।

वृश्चिक राशि- वक्री शनि अवधि में वृश्चिक राशि के लोगों को अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस समय वृश्चिक राशि वालों की सुख-सुविधाओं में कमी आ सकती है। करियर में नौकरी के सुनहरे मौके हाथ से निकल सकते हैं और आप पर काम का बोझ अधिक हो सकता है, जिससे नुकसान होने की आशंका है।

मकर राशि- मकर राशि के लोगों के लिए वक्री शनि मिलाजुला है। आने वाले पांच महीने में मकर राशि वाले अपने परिवार के साथ समय बिताते नजर आएंगे। इस समय आप अपनी आर्थिक स्थिति पर भी काम करेंगे। हालांकि, इन लोगों को शब्दों का चयन करते समय सावधान रहना होगा।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों के लिए शनि महाराज की वक्री अवस्था सेहत के लिए मुश्किल खड़ी करेगी। कुंभ राशि वालों को अपनी सेहत पर ध्यान देना होगा।

मीन राशि- मीन राशि के लोगों के लिए शनि महाराज की वक्री अवस्था धन संबंधी मामलों में चुनौती पैदा करेगी। आर्थिक स्थिति पर ध्यान देना होगा और खर्चों को सोच-समझकर करना होगा। शनि वक्री के दौरान आप थोड़े असंतुष्ट रह सकते हैं। नौकरी में दबाव और काम के लिए सराहना न मिलने से परेशान रहेंगे।

भड़ली नवमी पर मनोकामना पूर्ति का योग शादी का अबूझ मुहूर्त और दुर्लभ योग

आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी यानी गुप्त नवरात्रि की नवमी तिथि कई नामों से जानी जाती है। इसे भड़ली नवमी, भड़रिया नवमी, भड़ल्या नवमी, भदरिया नवमी, भटली नवमी, कंदर्प नवमी आदि नामों से जानी जाती है। देवी पूजा का दिन होने से यह एक अबूझ मुहूर्त है। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल पक्ष नवमी यानी गुप्त नवरात्रि नवमी पर किसी अच्छे काम के लिए कोई शुभ मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती। इस दिन विवाह दंपती के लिए सौभाग्य और दिव्य आशीर्वाद वाला होता है। भड़ली नवमी तिथि शादी और विवाह के लिए शुभ मानी जाती है। मान्यता है कि आषाढ़ शुक्ल नवमी यानी भड़ली नवमी पर काम शुरू करने से पूरे जीवन उसमें बाधा नहीं आती। इस दिन गुप्त नवरात्रि का भी विश्राम होता है। इस दिन माता की पूजा से यह दिन बेहद शुभ होता है। इसके अलावा इस दिन भगवान विष्णु की पूजा समेत अन्य धार्मिक कार्य करने का विधान है। भड़ली नवमी पर शुभ योग में भगवान शिव की पूजा करने से सभी तरह की मनोकामना पूरी होती है।इसलिए यह अबूझ मुहूर्त और विशेष बन गया है।

शिव वास में पूजा के बड़े लाभ- इसके अलावा इस साल भड़ली नवमी पर शिववास अनुकूल है। इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार के मनोरथ सिद्ध हो जाते हैं। इस समय में शिव परिवार की पूजा कर शुभ कार्य कर सकते हैं।

भड़ली नवमी के बाद 4 माह होगा अच्छे समय का इंतजार

हिंदू धर्म में भड़ली नवमी का बहुत महत्व है। शास्त्रों के अनुसार जिन लोगों को किसी कारण विवाह का शुभ मुहूर्त नहीं मिल रहा है, वे इस दिन विवाह कर सकते हैं। भड़ली नवमी के बाद से चर्तुमास शुरू हो जाता है, जिसके बाद अगले 4 महीने तक कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। इसलिए इस दिन विवाह का अच्छा समय होता है।

भड़ली नवमी पर और क्या करें- भडली नवमी पर भगवान विष्णु की पूजा विशेष फलदायक होती है। इसलिए भडली नवमी पर मंदिरों और घरों में भगवान विष्णु की पूजा

कर प्रसाद बांटना चाहिए।

इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ कर भगवान विष्णु के भजन गाने चाहिए और कीर्तन करना चाहिए।

झारखंड राज्य में प्राचीन काल से ही इस दिन भदली मेला लगता है, लोग उत्साह से भाग लेते हैं।

सभी समस्याओं को दूर करेगा गुप्त नवरात्रि

गुप्त नवरात्रि की शुरुआत शनिवार को हो गई। इस बार यह नवरात्रि 9 की बजाय 10 दिनों की है। शनिवार को छत्र योग, त्रिपुष्कर योग और श्रीवत्स योग के साथ यह शुरू हुई।। इसी त्रियोग में शुरू होने वाली ये गुप्त नवरात्रि सभी के लिए कल्याणकारी होगी। इस आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में तृतीया तिथि दो दिन पड़ रही है। इसलिए ये 10 दिनों की नवरात्रि होगी। आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित नवरात्रि शास्त्रों के अनुसार साल भर में चार बार होती है। इसमें से एक चैत्र नवरात्रि व एक शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। इस गुप्त नवरात्रि में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धुम्रावती, मां बंगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की आराधना की जाती है। इस साल गुप्त नवरात्रि बेहद शुभ संयोग में है। गुप्त नवरात्रि दस दिनों की होगी। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तृतीया तिथि की वृद्धि होकर तारीख 8 और 9 जुलाई दोनों ही दिन तृतीया तिथि ही रहेगी। गुप्त नवरात्रि का दस दिनों का होना आराधकों के लिए शुभप्रद है क्योंकि वे दस महाविद्याओं की भली प्रकार आराधना कर सकते हैं। त्रियोग में शुरू होने वाली ये गुप्त नवरात्रि सभी के लिए कल्याणकारी होगी। इस आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि में तृतीया तिथि दो दिन पड़ रही है। इसलिए ये 10 दिनों की नवरात्रि होगी।

माता का घोड़े पर सवार होकर आना तथा नवरात्रि के दिनों में बढ़ोतरी पड़ोसी देशों से विवाद की स्थिति का द्योतक भी है। देवी मंदिरों में अंचल की आरोग्यता और समृद्धि के लिए वर्षा आते ही जुड़वास संपन्न हो चुका है, अब गुप्त नवरात्रि की तैयारी है। मंदिरों

में बिना तेज आवाज के प्रतिदिन जसगीत, भजन-पूजन और विशेष अराधना होगी।

मुंबई पुलिस की समाजसेवा शाखा हुई नाकाम !

मसाज की आड़ में देह व्यापार का नया अड्डा?

खुलेआम चल रहा है सलून एवं स्पा !

कांदिवली। मुंबई शहर मे अवैध रूप से चल रहे ब्यूटी पार्लर, स्पा, मटका, जुगार क्लब, डांस बार एवं नशीले ड्रग्स एवं अन्य व्यवसाय पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे पुलिस आयुक्त? मुंबई पुलिस एवं अनैतिक देह व्यापार माफियाओ का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा? ऐसी चर्चा मुंबई शहर के रहिवासियों में है! आपको बता दें कि कांदिवली पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में अवैध रूप से चलने वाले धंधों की भरमार है। अनेक अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढ़ी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। वही स्पा की आड़ मे देह व्यापार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि अनैतिक देह व्यापार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुसार कोरोना काल ख़त्म होने बाद पार्लर और मसाज सेंटर जहां फिर से धड़ाधड़ खुलने लगे हैं वहीं पुलिस विभाग की शिथिलता से गली-गली में स्पा पार्लर कुकुरमुत्तों की तरह खुल गए हैं जिसका संरक्षण करने का आरोप स्थानीय पुलिस पर लगता है। इसी तरह कांदिवली पुलिस स्टेशन के हद में एम जी रोड पर डहानूकरवाड़ी ब्रिज के पहले स्मायन सलून एवं स्पा चलाया जा रहा है। जहां चल सैलून एवं स्पा के आड़ मे देह व्यवसाय करने का आरोप स्थानिय लोग लगाते हैं। वही स्थानीय लोंगो का कहना है कि स्पा के अंदर पार्टीसन रूपी केबिन और केबिन के अंदर लॉक सिस्टम यह दर्शाता है कि कहीं न कहीं स्पा के अंदर गलत चल रहा है. वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि स्पा संचालक चुंकि एक राजनितिक पार्टी से जुड़ा हुवा है इसलिए पुलिस कार्यवाई करने की बजाय उसका संरक्षण करती है। आस-पास के लोगों का कहना है कि इसका समाज पर गलत असर पड़ रहा है। बताया जाता है कि जब से कांदिवली पुलिस स्टेशन में नियुक्त वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक का आगमन हुआ है तब से इन्हें विशेष संरक्षण दिया जा रहा है, स्थानिय लोगों की शिकायतों को नजर-अंदाज कर स्पा और मसाज सेंटर को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मा. आनंद भोईटे (पुलिस उपायुक्त परि.-11)

जुगार माफियाओं का अड्डा बना कल्याण डोम्बिवली शहर ..

डोम्बिवली रेलवे स्टेशन के सामने एवं भाजी मार्किट में स्थानीय पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे चल रहा जुगार ..

डोम्बिवली पूर्व। ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को.?

सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज़ अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मटका, जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद डोम्बिवली शहर में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा डोंबीवली पुलिस स्टेशन (रामनगर) अंतर्गत डोम्बिवली पूर्व रेलवे स्टेशन के सामने साई पूजा के पास में मटका, चक्री, भवरा, लट्टू व अन्य जुगार बड़े पैमाने पर हिस्ट्रीशीटर एवं जुगार माफिया गणेश सेठ द्वारा जुगार बड़े पैमाने पर 20-25 राईटरो के माध्यम से चलाया जा रहा है। वही दूसरा जुगार क्लब फड़के रोड पर भाजी मार्केट रघुकुलदीप सोसायटी मे रात दिन रतन सेठ द्वारा चलाया जा रहा है। उक्त जुगार अड्डे में

श्री. एस बी गुंजाळ
पोलीस उप आयुक्त (परिमंडळ-3)

ग्राहकों को खास ख्याल रखते हुए मदिरा एवं जोरू की भी व्यवस्था की जाती है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार मफ़ियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज़ कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय द्वारा ईमेल से स्थानीय डोंबीवली (रामनगर) पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त परिमंडल -3 एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है.?

ठाणे शहर!

भिवंडी शहर में स्थानीय पुलिस की मदद से चलाया रहा जुगार क्लब?

बार बार शिकायतों के बावजूद कुंभारवाडा (भिवंडी सिटी पुलिस स्टेशन) एवं सम्बंधित पुलिस विभाग द्वारा नहीं होती होती है कार्यवाई?

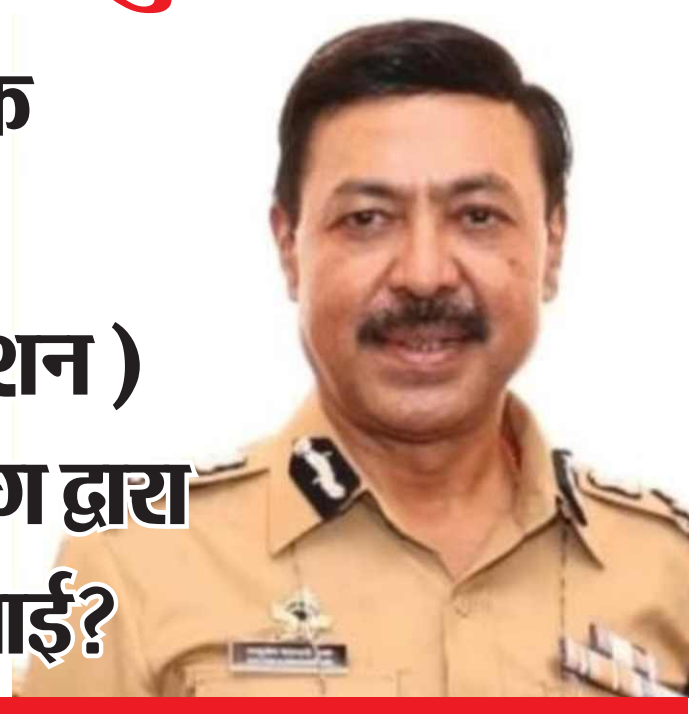

जनता पूछ रही है आखिर जुगार क्लब पर कब होगी कार्यवाई?

भिवंडी। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के भिवंडी शहर में अवैध रूप से चल रहे जुगार के धंधों पर आखिर कब तक चुप्पी साधकर बैठे रहेंगे ठाणे पुलिस आयुक्त? ठाणे पुलिस और जुगार माफियाओं का आंख मिचौली का खेल कब खत्म होगा ऐसी चर्चा ठाणे के भिवंडी शहर के रहिवासियों में है। आपको बता दें कि ठाणे जिले में अवैध रूप से चलने वाले जुगार के धंधों की भरमार है। अखबारों में बार बार खबरें प्रकाशित होने के बाद भी पुलिस प्रशासन कर्तव्य विमूढ़ है। ऐसा लगता है कि अपने देश में बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ना टेढी खीर साबित हो रही है। सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की चाशनी में ऐसा नहाया हुआ है कि उसे हमाम के साबुन से कितना भी नहलाओ लेकिन वो निकलने वाला नहीं है। अब तो पुलिस प्रशासन भी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा हुआ है। मटके और जुगार के धंधे में पुलिस प्रशासन की हिस्सेदारी ये दर्शाता है कि कानून व्यवस्था का कितना मजाक उड़ाया जा रहा है। यही कारण है कि जुगार जैसे अवैध धंधा करने वालों पर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। इस अवैध धंधों के कारण कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं परंतु न ही सरकार को इसकी चिंता है और न ही पुलिस प्रशासन को? सामाजिक संगठनों द्वारा की गई शिकायत और द रेड स्टार न्यूज अखबार में न्यूज देने के बावजूद पुलिस के आला अधिकारी और सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। गौरतलब हो कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जुगार क्लब एवं झट-पट लाटरी पर प्रतिबन्ध होने के बावजूद ठाणे के भिवंडी शहर क्षेत्र में जुगार का धंधा पुलिस की नाक के सामने बड़े पैमाने पर दिन रात चलाया जा रहा है। स्थानीय व्यापारी संगठन, पत्रकार एवं जागरूक प्रतिनिधियों द्वारा द रेड स्टार न्यूज़ कार्यालय में मिल रही शिकायत के अनुशार जुगार माफिया एवं उसकी टीम द्वारा बड़े पैमाने पर जुगार का धंधा भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन परिक्षेत्र में कनेरी तेलीपाड़ा आगरा रोड पर पारसिक बैंक के पास फिलिप एकेडमी बोर्ड की आड़ में डॉ. सेनापति हॉस्पिटल के सामने बंडू सेठ एवं सिकंदर बादशाह नामक जुगार माफिया द्वारा जुगार क्लब दिन-रात चलाया जा रहा है। उक्त जुगार क्लब में प्लास्टिक क्वाइन के माध्यम से आने वाले ग्राहकों के साथ हेराफेरी भी किया जाता है। स्थानीय पुलिस स्टेशन की भूमिका संदिग्ध होने के कारण कोई भी व्यापारी इन जुगार माफियाओं से पंगा नहीं लेना चाहता। स्थानीय रहिवासियों एवं व्यापारियों ने न्यूज कार्यालय पर दूरसंचार के माध्यम से शिकायत करके कथित जुगार माफियाओं पर सख्त कार्यवाई के साथ साथ तड़ीपार करने की अपील की है। इस शिकायत पर न्यूज कार्यालय द्वारा लिखित रूप से स्थानीय पुलिस स्टेशन व पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त कार्यालय ठाणे में की गयी है। अब देखना है कि पुलिस जुगार के धंधे पर कब कार्यवाई करती है? या जुगार के माध्यम से लूटने वाले जुगार माफियाओं को संरक्षण प्रदान करती है?

Loose Motion को रोकने में बेहद असरदार हैं ये घरेलू नुस्खे

बाहर से खरीदा खाना या घर पर ज्यादा तीखे या मसालेदार व्यंजनों का लुत्फ उठाना हर किसी को पसंद आता है, लेकिन इसके कारण जब पेट में बैक्टीरिया पनप जाते हैं, तो लूज मोशन की समस्या देखने को मिलती है।कंटैमिनेटेड फूड या अस्वच्छ पानी के सेवन से अगर आपको भी लूज मोशन की परेशानी पैदा हो गई है, तो घबराने की जरूरत नहीं है।

लूज मोशन होने पर क्या करें?

डॉक्टर्स बताते हैं कि लूज मोशन रोकने के लिए दवाओं का सेवन तब तक नहीं करना चाहिए, जब तक परेशानी ज्यादा बड़ी न हो। यह पेट को साफ करने का काम करते हैं, जिसमें किसी भी तरह के इन्फेक्शन या गंदगी को शरीर नेचुरली बाहर करने का काम करता है। हालांकि, ऐसे में आप इससे राहत पाने के लिए घर पर ही कुछ आसान तरीके आजमा सकते हैं। जैसे- जीरा और अजवाइन को तवे पर भूनकर इसे दरदरा कूट लें और फिर ताजे पानी के साथ इसका एक चम्मच सेवन कर लें। बता दें, यह बैक्टीरिया का खात्मा करके पेट को हेल्दी रखने में काफी मददगार होता है।

खानपान में रखें इन बातों का ख्याल-

लूज मोशन की परेशानी में कुछ चटपटा या मसालेदार खाने से बचें। इसकी जगह आप मूंग दाल की खिचड़ी के साथ दही का सेवन कर सकते हैं।

ऐसी चीजों के सेवन से बचें, जिन्हें खाने से गैस और एसिडिटी की परेशानी होती हो, जैसे-काले चने, राजमा, छोले, मैदा से बनने वाली चीजें इत्यादि।

दस्त की समस्या में आप दही के साथ चावल का सेवन कर सकते हैं। बता दें कि यह कॉम्बिनेशन पेट के लिए काफी हेल्दी रहता है।

लूज मोशन में गलती से भी शरीर में पानी की कमी न होने दें, क्योंकि ऐसे में शरीर में डिहाइड्रेशन का काफी ज्यादा जोखिम रहता है।

दस्त की तकलीफ में इलेक्ट्रॉल पाउडर का सेवन करना भी काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आप एक लीटर पानी में इसका एक पाउच डालकर बना सकते हैं।

मानसून बढ़ा सकता है एलर्जिक अस्थमा का खतरा !

मानसून सुकून, खुशी के अलावा अपने साथ कई बीमारियों को भी साथ लेकर लाता है। इस मौसम में जॉन्डिस, फ्लू, टाइफाइड, हेपेटाइटिस ए का तो खतरा बढ़ ही जाता है, साथ ही अस्थमा मरीजों की भी हालत बुरी हो जाती है। जिससे आपकी डे टू डे की लाइफ पर असर पड़ सकता है। अस्थमा का सबसे आम प्रकार है, जो पालतू जानवरों की रूसी, फफूंद, धूल के कण या पोलन के संपर्क में आने पर ट्रिगर हो जाता है। उदाहरण के लिए, वसंत का खुशगवार मौसम अपने साथ हवा में पराग कणों की भी मात्रा लेकर आता है, जिससे सांस लेने पर वायुमार्ग में सूजन और जलन हो सकती है और इससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इसके चलते खांसी, घरघराहट और सीने में जकड़न जैसे लक्षण नजर आते हैं। कुछ लोगों को इसके चलते नाक बंद होना, खुजली या आंखों से पानी आना, चकत्ते जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

डॉ. चंद्रमणि पंजाबी, कंसल्टेंट चेस्ट स्पेशलिस्ट, दिल्ली बताते हैं कि अस्थमा कई कारणों से हो सकता है। इसमें पारिवारिक इतिहास, बचपन में सांस से जुड़ा कोई इन्फेक्शन, केमिकल के संपर्क में ज्यादा रहना, धूम्रपान, मोटापा, तंबाकू के धुएं के संपर्क में आना, घर में ऐसे ईंधन (लकड़ी/गाय का गोबर/केरोसिन) का उपयोग जिससे धुआं निकलता है और वायु प्रदूषण शामिल हैं। ये सभी कारण अस्थमा होने के जोखिम को बढ़ा सकते हैं या मौजूदा लक्षणों को और गंभीर बना सकते हैं। इसके अलावा, अस्थमा और भी कई तरह से हो सकता है और इनमें से हर एक के अपने अलग लक्षण और ट्रिगर होते हैं।इनमें व्यायाम से होने वाला अस्थमा और एलर्जी अस्थमा शामिल हैं। हालांकि कुछ चीजों पर ध्यान देकर इस स्थिति को काफी हद तक कंट्रोल में रखा जा सकता है।

जांच और प्रबंधन-

एलर्जिक अस्थमा का पता लगाने के लिए, कई तरह के परीक्षण किए जाते हैं। इनमें ब्लड टेस्ट या स्किन प्रिक टेस्ट जैसे टेस्ट शामिल हैं, जिनसे एलर्जेन सेंसिटिविटी का पता लग जाता है। जबकि अस्थमा से जुड़े टेस्ट, जैसे कि स्पाइरोमेट्री या का इस्तेमाल फेफड़ों के फंक्शन को समझने के लिए किया जा सकता है। इन टेस्ट के आधार पर मरीज को जरूरी उपचार बताए जाते हैं, जिसमें इनहेलेशन थेरेपी सबसे पहला ऑप्शन है। जिससे मरीज को तुरंत राहत मिलती है। कई बार अस्थमा बहुत खतरनाक भी हो सकता है, तो इसके लिए डॉक्टर्स इमरजेंसी दवाएं भी सजेस्ट करते हैं।

एलर्जिक अस्थमा को इन तरीकों से करें कंट्रोल

वसंत, मानसून के मौसम में जितना हो सके घर के अंदर रहें।

डीह्यूमिडिफ़ायर या एयर कंडीशनर का इस्तेमाल कर घर के अंदर की नमी को बरकरार रखें ।

नियमित रूप से अपनी दवाओं का सेवन करें।

अस्थमा के मरीज हैं, तो घर में एयर फिल्टर जरूर लगाएं, जो कमरे की हवा को साफ बनाने का काम करते हैं।

DARK CHOCOLATE
बनाता है दिल और दिमाग को हेल्दी

चॉकलेट का स्वाद तो सभी को भाता है, शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे चॉकलेट न पसंद हो। लोगों में चॉकलेट की दीवानगी को मनाने के लिए हर साल 7 जुलाई को वर्ल्ड चॉकलेट डे मनाया जाता है। इसके कई प्रकार हैं, जैसे मिल्क चॉकलेट, डार्क चॉकलेट आदि, लेकिन क्या आप जानते हैं कि डार्क चॉकलेट सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। दरअसल, डार्क चॉकलेट में कोकोआ की मात्रा ज्यादा होती है, जिसके कारण यह एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। इसलिए इसे खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है।

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर-डार्क चॉकलेट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। एंटी-ऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं, जिससे सेल्स में होने वाला ऑक्सीडेटिव डैमेज कम होता है। इससे कई बीमारियों, जैसे कैंसर और सूजन से बचने में मदद मिलती है। इसलिए डार्क चॉकलेट काफी फायदेमंद मानी जाती है।

दिल के लिए फायदेमंद-डार्क चॉकलेट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो दिल और आर्टरीज के लिए फायदेमंद होते हैं। साथ ही इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सूजन को कम करके आर्टरीज को हेल्दी रखने में मदद करता है। डार्क चॉकलेट में मौजूद पॉलीफिनोल बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करते हैं। इसलिए यह दिल की बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है- डार्क चॉकलेट में फ्लैवेनॉइड्स होते हैं, जो आर्टरीज को रिलैक्स करने में मदद करते हैं। इससे ब्लड प्रेशर हाई नहीं होता। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, फ्लेवेनॉइड्स नाइट्रिक ऑक्साइड रिलीज करने में मदद करते हैं, जिससे आर्टरीज रिलैक्स होती हैं और ब्लड फ्लो बेहतर होता है। इसलिए इसे खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। साथ ही ब्लड प्रेशर कंट्रोल होने से स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है।

दिमाग के लिए फायदेमंद-

डार्क चॉकलेट में मौजूद फ्लेवेनॉइड्स दिमाग के लिए भी काफी फायदेमंद होते हैं। यह ब्लड फ्लो को बेहतर बनाता है, जिससे दिमाग बेहतर फंक्शन कर पाता है। इस वजह से दिमाग तेज बनता है और याददाश्त कमजोर होने जैसी परेशानियां भी कम होती हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद-

डार्क चॉकलेट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव डैमेज से सुरक्षा के साथ-साथ सन प्रोटेक्शन में भी मदद करते हैं। इसलिए डार्क चॉकलेट खाने से स्किन को सन डैमेज से बजाने में मदद मिलती है।

त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाते हैं जूस
डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की जरूरत

अच्छी सेहत के लिए जैसे शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व चाहिए होते हैं, ठीक उसी तरह ग्लोइंग और हेल्दी स्किन के लिए भी डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की जरूरत होती है। आज हम आपके लिए कुछ ऐसे जूस लेकर आए हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाने के लिहाज से काफी फायदेमंद माने जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी स्किन पर जादूई निखार पाना चाहते हैं, तो डाइट में इन्हें शामिल कर सकते हैं।

टमाटर का जूस- विटामिन-सी से भरपूर टमाटर का जूस हेल्दी स्किन के लिए काफी ज्यादा जरूरी होता है। बता दें, कि इससे त्वचा को कई जरूरी एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं, जो न सिर्फ स्किन को फ्री रेडिकल डैमेज से बचाते हैं, बल्कि यूवी किरणों से भी आपकी स्किन को बचाने का काम करता है।

चुकंदर का जूस- विटामिन-ई और विटामिन ए से भरपूर चुकंदर का जूस सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसके सेवन से आप यूवी एक्सपोजर से होने वाले डैमेज से बच सकते हैं और स्किन को नेचुरली ग्लोइंग बना सकते हैं।

हरी सब्जियों का जूस- विटामिन-ए और कैरोटीनॉयड से रिच होने के कारण हरी सब्जियां स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती हैं। अगर आप भी बढ़ती उम्र में त्वचा को जवां बनाए रखना चाहते हैं, तो पालक, करेला, खीरा आदि के जूस को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गाजर का जूस-बायोटिन और विटामिन-ए से भरपूर गाजर का जूस भी स्किन को हेल्दी बनाता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से रिच होने के कारण यह आपकी सेहत के लिए भी काफी लाभदायक होता है। हेल्दी स्किन पाने के लिहाज से इसे भी आप डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

Heart Disease का खतरा बढ़ा सकता है फिश ऑयल सप्लीमेंट

हेल्दी सप्लीमेंट के बढ़ते चलन के बीच अब फिश ऑयल सप्लीमेंट का प्रचलन भी बढ़ गया है। फिश यानी मछली की कोशिकाओं से निकाला गया फैटी एसिड ही फिश ऑयल सप्लीमेंट बनाता है। यह ओमेगा थ्री फैटी एसिड का एक बेहतरीन डाइटरी स्रोत है। हमारे शरीर को ओमेगा थ्री फैटी एसिड की बहुत जरूरत होती है। ऐसे तो फिश ऑयल उस गैप को भरता है जो कि अपर्याप्त मात्रा में ओमेगा थ्री लेने के कारण पैदा होता है। हालांकि, अगर हम अपनी डाइट से ही भरपूर ओमेगा थ्री फैटी एसिड का सेवन कर लेते हैं तो किसी प्रकार के फिश ऑयल सप्लीमेंट की जरूरत ही नहीं पड़ती है। ऐसा माना जाता है कि फिश ऑयल सप्लीमेंट से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल कम होता है, लेकिन इसके कई नुकसान भी होते हैं।

दिल को नुकसान पहुंचा सकता - ऐसे तो फिश ऑयल सप्लीमेंट का इस्तेमाल कार्डियोवास्कुलर यानी हार्ट संबंधी खतरों को कम करने के लिए किया जाता है, लेकिन शोध के अनुसार जिन लोगों को हार्ट संबंधी कोई खतरा पहले से नहीं है, उन लोगों में सप्लीमेंट लेने के बाद ये खतरा आश्चर्यजनक रूप से बढ़ा हुआ पाया गया है। जिन्हें पहले से ही कोई हार्ट की बीमारी है, उनके लिए तो ये एक फायदेमंद चीज पाई गई, लेकिन आम जनता के लिए बचाव के तौर पर इसका इस्तेमाल करने पर ये रोग को बढ़ावा देने में जिम्मेदार पाया गया।

महिलाओं में बढ़ा हार्ट अटैक का खतरा- जर्नल बीएमजे मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के अनुसार लाखों लोगों पर किए एक रिसर्च में ये पाया गया कि पहले से जिन्हें किसी भी प्रकार की कार्डियोवैस्कुलर बीमारी नहीं थी, उन लोगों में सप्लीमेंट लेने के बाद 13% तक एट्रियल फिब्रिलेशन का और 5% तक स्ट्रोक का खतरा बढ़ा हुआ पाया गया। महिलाओं में इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हार्ट फेल की संभावना 6% तक बढ़ी हुई पाई गई। ये तुलना उन लोगों से की गई, जिन्हें कोई भी कार्डियोवैस्कुलर बीमारी नहीं थी और न ही उन्होंने किसी प्रकार का सप्लीमेंट लिया।

एक्सपर्ट की सलाह जरूरी-

हालांकि, इसी शोध में ये बात भी साफ हुई कि जिन्हें पहले से कार्डियोवैस्कुलर बीमारी थी, फिश ऑयल सप्लीमेंट लेने के बाद उनमें एट्रियल फिब्रिलेशन का हार्ट अटैक में बदलने की संभावना 15% तक कम हो गई और 9% तक हार्ट फेल से मृत्यु की संभावना भी कम हुई। इससे ये बात स्पष्ट है कि शरीर में ओमेगा थ्री फैटी एसिड की मात्रा एक सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए और फिश ऑयल सप्लीमेंट का इस्तेमाल किसी एक्सपर्ट की राय पर ही करें।

सर्दी-जुकाम के साथ दिल की बीमारियों से भी बचाता है लहसुन !

लहसुन लगभग हर रसोई में बड़ी ही आसानी से मिल जाता है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाना वाला छोटा-सा लहसुन आपकी सेहत को कई बड़े फायदे दे सकता है। लहसुन की कलियों में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने और उनसे बचाव करने में हमारी मदद कर सकते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण मौजूद होते हैं, जो मानसून में होने वाले इन्फेक्शन से आपकी रक्षा कर सकता है। इसलिए कई लोग इसका दवा के रूप में इस्तेमाल करते हैं और इसकी कलियों का सेवन करते हैं। लहसुन में थायमिन, नियासिन, फॉलेट, विटामिन-सी, जिंक, पोटेशियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम पाया जाता है, जो सेहत के लिए काफी जरूरी होते हैं। इससे आपकी सेहत को काफी फायदे मिल सकते हैं। इनसे शरीर में डेफिशिएंशी डिसीजेस से बचाव होता है और सेहत दुरुस्त रहती है। लहसुन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर की सूजन को कम करता है। इससे आर्टरीज स्वस्थ रहती हैं, डायबिटीज की वजह से शरीर में होने वाली सूजन कम होती है और आर्थराइटिस के मरीजों को भी दर्द से आराम पाने में मदद मिलती है। इसे खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाव होने की वजह से सेल डैमेज कम होता है, जिसके कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। लहसुन खाने से इन्फेक्शन्स से बचाव करने में काफी मदद मिलती है। इसमें एंटी-माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं, बैक्टीरिया और वायरस के संक्रमण से लड़ने में मददगार होते हैं। मानसून में इसका सेवन इस वजह से काफी फायदेमंद होता है, क्योंकि यह बदलते मौसम की वजह से होने वाले सर्दी-जुकाम से लड़ने में मदद करता है। लहसुन बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करने में मदद करता है, जिससे आर्टरीज ब्लॉक नहीं होती और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम होता है। लहसुन ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में भी मदद करता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक आने का जोखिम कम होता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।

जायफल है सेहत के लिए गुणों का खजाना?

जायफल रसोई में आसानी से मिल जाने वाला एक खास मसाला है, जो मिरिस्तिका फ्रेगरेंस पेड़ के बीज से मिलता है। इसका इस्तेमाल वैसे तो हम खाने का जायका बढ़ाने के लिए करते हैं लेकिन आयुर्वेद के क्षेत्र में भी इसका उपयोग दवाओं के रूप में काफी समय से होता आ रहा है। यह आमतौर पर पिसे हुए पाउडर और बीज दोनों रूपों में मिलता है। इसमें ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसलिए जायफल को अपनी डाइट में शामिल करना सिर्फ स्वादवर्धक ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी हो सकता है।

पाचन शक्ति बढ़ाने में सहायक- जायफल में मौजूद हाई फाइबर खाने को पचाने में मदद करता है। यह डाइजेस्टिव एंजाइम्स को भी रिलीज करने में मदद करता है जिससे खाना आसानी से पच जाता है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद कार्मिनेटिव गुण अपच, कब्ज और गैस की समस्या से राहत दिलाने में सहायक होते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर- जायफल एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इतना ही नहीं, एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर के खतरे को भी कम करने में मदद करते हैं।

दर्द से राहत- जायफल का तेल मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द से राहत दिलाता है। साथ ही, शरीर के किसी अंग में हुए सूजन से भी राहत दिलाता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद-औषधीय गुणों से भरपूर जायफल में मौजूद कुछ जरूरी तत्व मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते है, जिससे याददाश्त मजबूत होती है, स्ट्रेस कम होता है और डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है।

स्किन हेल्थ के लिए लाभदायक- जायफल में एंटीबैटीरियल गुण पाए जाते हैं स्किन हेल्थ को बढ़ावा देतेहैं। उपयोग करने से मुहांसे और पिगमेंटेशन की समस्या दूर होती है और त्वचा पर निखार आता है।

इम्यून सिस्टम की मजबूती-एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर जायफल शरीर में इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। इससे वायरल इन्फेक्शन से भी बचाव होता है।

Dr.B.M.PAL
B.H.M.S., MD (AM)
PG-DCC, (GERMANY)
PHYSICIAN & CLINIC COSMETOLOGIST
SHREE SAI CLINIC
Timing: Morn. 09:30 am to 01:30 pm
Eve. 5.30 pa to 10.30
Shop No.004, Vaibhav Darshan, Near ST.THOMOS CHURCH,
Sai Baba Nagar, Mira Road (E), Mob.: 9324771128

मानवाधिकार फाउंडेशन
मा.अखिलेश उपाध्याय
(एडवोकेट हाईकोर्ट)
कानूनी सलाह एवं कानूनी
निपटारे के लिए संपर्क करें
09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदार वाडी,
मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064.
मो. 9004102640-8693863320

TASK PROTECTION FORCE
सुरक्षा कंपनी में भर्ती के लिए
तत्काल संपर्क करे
सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाईजर, ड्राइवर, बाउंसर, स्वीपर एवं
अन्य कार्य के लिए पासपोर्ट साइज के 07 फोटो, आधार कार्ड,
लिविंग सर्टिफिकेट, अनुभव सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ संपर्क करे ..
Mob. 8850869519 / 9321445870
संपर्क कार्यालय : 09, विभाको बिल्डिंग, मामलेतदारवाड़ी मेन रोड नं. 01,
(लिबर्टी गार्डेन रोड), मालाड (पश्चिम), मुंबई-400064